देशबन्धु

वर्ष – 8 । अंक–175 । सागर, शनिवार, 12 अगस्त 2023 । पृष्ठ –8 । मूल्य – 3.00 रुपए

सौ करोड़ की लागत से बनने वाले संत रविदास मंदिर और स्मारक का करेंगे शिलान्यास

मोदी आज सागर आएंगे, प्रदेश को देंगे कई सौगातें

सागर/भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार 12 अगस्त को सागर आयेंगे। श्री मोदी यहां बड़कुमा में सौ करोड़ की लागत से बनने वाले संत रविदास भव्य मंदिर-विशाल स्मारक का शिलान्यास करेंगे।

इस अवसर पर श्री मोदी प्रदेश में जारी समरस यात्रा के समापन के साथ ही राज्य को कई सौगातें भी देंगे। शहर में प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि श्री मोदी मध्यप्रदेश और बुंदेलखंड को एक बड़ी सौगात के रूप में बीना रिफायनरी पेट्रोकेमिकल की विस्तारीकरण परियोजनाओं का भूमि-पूजन करेंगे। बीपीसीएल की रिफायनरी वर्ष 2011 से मध्यप्रदेश में कार्यरत है, अब इसका विस्तारीकरण कर पेट्रोकेमिकल का निर्माण भी किया जाएगा। बीपीसीएल इस परियोजना पर लगभग 50 हजार करोड़ रूपए खर्च करेगी। राज्य शासन द्वारा बीपीसीएल को टैक्स में छूट और सुविधाएँ उपलब्ध कराई गई है। श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी लगभग एक हजार करोड़ रूपए की लागत के 47 किलोमीटर के मोरी-कोरी-विदिशा-हिनौतिया पैकेज-1 फोर लेन तथा हिनौतिया-मेलुआ पैकेज-2 टू लेन सड़कों का भूमि-पूजन भी करेंगे। इससे मध्य भारत में बेहतर सम्पर्क के साथ-साथ पर्यटक हमारी विश्व धरोहर साँची के बुद्ध स्तूप, अशोक स्तंभ और उदयगिरि की चट्टानों पर बनाए गए गुफा मंदिरों तक आसानी से पहुँच सकेंगे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी रेल मंत्रालय के अधीन कोटा-बीना रेल मार्ग के दोहरीकरण का लोकार्पण भी करेंगे। इस पर 2 हजार 476 करोड़ रूपए की लागत आएगी।

प्रधानमंत्री के बारे में अपशब्दों बोलने पर अधीर रंजन पर हुई कार्रवाई

अधीर रंजन, राघव व संजय सिंह सदन से निलंबित

नई दिल्ली, एजेंसी। अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को सदन से निलंबित किया गया था।

अधीर का मामला भी सदन की प्रिविलेज कमेटी को भेज दिया गया है। वहीं आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को शुक्रवार को लिए गए एक महत्वपूर्ण निर्णय में राज्यसभा से सस्पेंड कर दिया गया। वहीं आप के पहले से निलंबित राज्यसभा सांसद संजय सिंह का निलंबन भी बढ़ा दिया गया है। राज्यसभा सभापति के मुताबिक दोनों सांसद विशेषाधिकार समिति की रिपोर्ट आने तक निलंबित रहेंगे। अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में अपशब्दों का इस्तेमाल करने पर सदन में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी को सदन से निलंबित किया गया था। अधीर का मामला भी सदन की प्रिविलेज कमेटी को भेज दिया गया है।

मणिपुर मुद्दे पर केंद्र पर बरसे राहुल

मणिपुर में शांति बहाली नहीं चाहते मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। शुक्रवार को संसद का मानसून सत्र खत्म हो गया। इसके बाद मणिपुर हिंसा पर राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा कि वह संसद और संसद के बाहर इस संकट को लेकर कुछ बोलना नहीं चाहते और इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं जिससे साबित होता है कि वह मणिपुर में शांति बहाली नहीं चाहते हैं। राहुल ने सरकार पर सीधा आरोप लगाया कि मोदी मणिपुर को जलाना चाहते हैं, बचाना नहीं। संसद में 2 घंटे के अपने भाषण में वे मणिपुर पर सिर्फ 2 मिनट बोले। ये शोभा नहीं देता।

राहुल गांधी ने कहा कि जब हम मणिपुर पहुंचे तो हमें हिंसाग्रस्त इलाकों में जाना था। जब हम मैतेई के इलाके में गए तो हमसे कहा गया कि अगर कुकी आपकी सिक्योरिटी में हुआ तो हम गोली मार देंगे। कुकी के इलाके में गए तो कहा कि मैतेई सिक्योरिटी में होगा तो उसे मार देंगे। हम जहां गए वहां से अपनी सुरक्षा में मैतेई और कुकियों को हटा दिया। यानी राज्य दो हिस्सों में बंट चुका है।

सार-समाचार

भीषण सड़क हादसे में 10 की मौत

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के अहमदाबाद से एक बड़े हादसे की खबर सामने आई है। यहां बावला-बागोदरा हाईवे पर एक मिनी ट्रक की ट्रक से टक्कर हो गई। इस हादसे में 10 लोगों की जान जाने की खबर है। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। अहमदाबाद ग्रामीण के एसपी ने इस दुर्घटना में मौतों की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि यह घटना राजकोट-अहमदाबाद राजमार्ग पर बगोदरा गांव के पास उस समय हुई जब लोगों का एक समूह पड़ोसी सुरेंद्रनगर जिले के चोटिला से अहमदाबाद लौट रहा था। पुलिस के मुताबिक, यह दुर्घटना सुबह-सुबह हुई, इसमें पांच महिलाओं, तीन बच्चों और दो पुरुषों की मौत हो गई।

देश के 14 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के 14 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के ज्यादातर जिलों के लिए 11-14 अगस्त तक रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल के ज्यादातर जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया गया है। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले में शुक्रवार तड़के सुबह लैंडस्लाइड हो गया। इसके चलते शिमला-कालका नेशनल हाईवे-5 बंद हो गया। राज्य में ह॥-21 भी लैंडस्लाइड की वजह से बंद है। इसके अलावा 242 अन्य रोड भी बारिश की वजह से ब्लॉक हैं। उत्तराखंड में केदारनाथ जाने वाला गुप्तकाशी-गौरीकुंड हाईवे पत्थर और मलबा गिरने की वजह से ब्लॉक हो गया है। हाईवे का 60 मीटर का हिस्सा क्षतिग्रस्त हुआ है।

आरोपी चेतन सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत, नार्को जांच की मंजूरी नहीं

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र में चलती ट्रेन में तीन यात्रियों की गोली मारकर हत्या करने के आरोपी रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कॉन्स्टेबल चेतन सिंह को शुक्रवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। इसके अलावा, अदालत ने किसी भी तरह के परीक्षण करने की अनुमति से इनकार कर दिया है। गौरतलब है, 31 जुलाई को 34 वर्षीय चेतन सिंह ने अपने वरिष्ठ अधिकारी सहायक उप-निरीक्षक टीकाराम मीन सहित ट्रेन में यात्रा कर रहे तीन यात्रियों को गोली मार दी थी, जिससे तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

रोलर कोस्टर जैसी जिन्दगी हँसते हुए निभाने वाली देश की पहली खेल पत्रकार प्रमिला तिवारी

70-80 के दशक में देश के लगभग सभी प्रतिष्ठित पत्र-पत्रिकाओं के सिनेमा वाले स्तम्भ में एक चमकता हुआ सा नाम दिख जाता था 'प्रमिला'। यह वह दौर था जब पत्रकारिता की दुनिया में गिनी चुनी महिलाएं ही हुआ करती थीं और जिस पेज थ्री के लिए प्रमिला जी की कलम चलती थी वह तो महिलाओं से पूरी तरह खाली थी। उनके जीवन में एक दौर वह भी आया जब सिने जगत की कवरेज करने की बजाय वे खेल पत्रिका की ओर मुड़ गईं और देश की पहली महिला खेल पत्रकार बनीं।

देशबन्धु पत्र समूह के उपक्रम 'स्वयंसिद्धा' की संपादक **गुल सारिका ठाकुर** ने कुछ समय पहले उनसे फोन पर लम्बी अनौपचारिक बातचीत की थी। प्रस्तुत है उस बातचीत के कुछ चुनिन्दा अंश -

- ***पत्रकारिता से जुड़ना आनायास ही हुआ या फिर आपने इसे करियर के तौर पर सोच समझकर आपनाया?***

जिंदगी में ज़्यादातर चीजें सोच समझकर नहीं होतीं, वे बस हो जाती हैं। शादी से पहले मैं पानीपत के कॉलेज में पढ़ाती थी लेकिन शादी के बाद नौकरी छोड़कर पति के साथ मुम्बई आ गई। पति ऐसा मिला जिसके साथ निभाना हर दिन के साथ मुश्किल होता चला गया और एक दिन उसने मुझे घर से ही निकाल दिया और उसी समय वैवाहिक जीवन का पटाक्षेप हो गया। उस समय भी मैं एक कॉलेज में नौकरी करती थी लेकिन वह स्थायी नौकरी नहीं थी। मेरे कॉलेज के एक प्रो़फ़ेसर डॉ. सिंह की सहायता से मेरा एक लेख नवभारत टाइम्स में छपा फिर अलग-अलग पत्र पत्रिका में आलेख छपने का सिलसिला शुरु हुआ। हिंदी अच्छी थी इसलिए कॉलेज पत्रिका की संपादक बना दी गयी। उसी दौरान धर्मयुग में कार्यरत सुरेन्द्र प्रताप सिंह से परिचय हुआ और उनकी मदद से मैं डॉ. धर्मवीर भारती से मिली जो उस समय धर्मयुग से संपादक थे। टाइम्स ऑफ़ इण्डिया के इमारत में धर्मयुग के साथ माधुरी, इलसट्रेटेड वीकली आदि के भी दफ्तर थे। उस समय माधुरी में रिपोर्टर की जरूरत थी और एक दिन डॉ. भारती ने कह दिया, मेरे पड़ोस में आ जाओ। वह माधुरी का जिक्र कर रहे थे। इस तरह मेरा पत्रकारिता में प्रवेश माधुरी के दरवाजे से हुआ।

- ***यानि करियर की शुरुआत खेल पत्रकारिता से नहीं हुई?***

बिलकुल नहीं। मैं लम्बे समय तक सिनेमा के लिए स्तम्भ लेखन और अभिनेता-अभिनेत्रियों का साक्षात्कार लेती रही, अच्छा-ख़ासा नाम कमाया उसके बाद खेल-पत्रकारिता की बारी आई।

- ***कैसा था वह दौर?***

मेरे लिए तो फ़िल्मी सितारों से मिलना, साक्षात्कार लेना सब कुछ बड़ा अनूठा सा था। मैंने सबसे पहला साक्षात्कार संगीतकार रवींद्र जैन का लिया था। चार-पांच साल माधुरी में काम करने के दौरान उस समय के लगभग सभी फ़िल्मी सितारों से दोस्ती हो गई थी। इसके अलावा बीच-बीच में धर्मयुग के लिए स्तम्भ लेखन भी कर रही थी। नाम और शोहरत के साथ इज्ज़त भी खूब कमाई।

- ***फिर खेल पत्रकारिता की शुरुआत किस तरह हुई?***

ये उसी समय की बात है। एक बार डॉ. धर्मवीर भारती ने बुलाकर पूछा, क्रिकेट की रिपोर्टिंग करना चाहोगी? मेरे तो समझ में ही नहीं आ रहा था क्या जवाब दूं क्योंकि खेल-कूद उसमें भी क्रिकेट को लेकर मेरी कोई समझ ही नहीं थी।

- ***मना कर दिया?***

अरे नहीं, मना कर देती तो वो न बनती जो आगे चलकर मैं बनी। भारती जी मुझमे वो संभावना देख रहे थे जिसके बारे में मैं खुद नहीं जानती थी। उन्होंने मुझे राजसिंह डुंगरुपुर से मिलने के लिए कहा जो उस समय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष थे। उनकी मदद से मैं कपिल देव से मिली जिनकी वजह से क्रिकेट को मैं समझ पाई। कपिल देव ने कागज़ पर रेखाएं खींचकर क्रिकेट की तकनीक को समझाया। फिर धीरे-धीरे रिपोर्टिंग करने में मजा भी आने लगा। बहुत ज्यादा व्यस्त रहती थी उन दिनों एक ओर माधुरी के लिए फुल टाइम रिपोर्टिंग का काम करती थी और दूसरी तरफ धर्मयुग और साप्ताहिक हिंदुस्तान के लिए स्वतंत्र रूप से काम कर है थी जिसमें क्रिकेट की रिपोर्टिंग होती थी।

- ***कब तक चला यह सिलसिला?***

देखिये मेरी जिन्दगी एक ढर्रे पर कभी नहीं चली, यह कहना चाहिए कि अलग-अलग रास्तों से होते हुए दौड़ती रही। विज्ञापन एजेंसी लिंटास को एक बार अनुवादक की जरुरत पड़ी और मैं उनसे जुड़ गई, मुझे लगा अब स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए इसलिए माधुरी छोड़ दी। लेकिन इस प्रण पर भी लम्बे समय तक कायम नहीं रह सकी। तब तक सुरेन्द्र प्रताप सिंह रविवार के संपादक बनकर कलकत्ता चले गए थे, उन्होंने बम्बई प्रतिनिधि के रूप में रविवार से जुड़ने का न्योता दिया तो मना नहीं कर पायी और रविवार के लिए काम करने लगी लेकिन चार महीने में ही नौकरी छोडनी पड़ी क्योंकि सुरेन्द्र जी ने रविवार छोड़ दिया और वहां की अंदरूनी राजनीति अपने चरम पर पहुँच चुकी थी। एक बार फिर मैंने प्रण लिया कि नौकरी नहीं करनी लेकिन इस बार उस प्रण को तुड़वाने के लिए शरद जोशी सामने आ गए। वे इन्डियन एक्सप्रेस समूह का नया अखबार 'हिंदी एक्सप्रेस' निकालने की तैयारी कर रहे थे। शरद जोशी से मेरे घरेलू सम्बन्ध थे। इसलिए हिंदी एक्सप्रेस ज्वाइन कर लिया। बदकिस्मती से हिंदी एक्सप्रेस दो साल बाद बंद हो गया।

देश के दिल मध्यप्रदेश में अनगिनत ऐसी स्त्रियाँ हैं, जिन्होंने अपने संघर्ष, परिश्रम और प्रतिभा के बल पर एक ख़ास मुकाम हासिल किया है। इस साप्ताहिक श्रंखला में आप प्रदेश की उन महिलाओं से परिचित हो सकेंगे, जिनके बारे में आपने पहले शायद कभी सुना या पढ़ा नहीं होगा।

- ***मुझे लगता है तब तक आप आर्थिक रूप से मजबूत हो चुकी होंगी और निजी जीवन में एक शांतिपूर्ण ठहराव आ गया होगा?***

मैं उस समय शांतिपूर्ण ठहराव जैसे शब्द का अर्थ भी नहीं जानती थी। आप जानती हैं न मुम्बई में घर मिल जाना बहुत बड़ी बात होती है। एक साल से ज्यादा वक्त के लिए घर नहीं मिलते थे। ऐसे में दोस्तों से मेरा अलिखित सा समझौता था कि जिसका घर बड़ा होगा बाकी दोस्तों की किताबें और क्रोकरी वहीं रखी जाएगी। इस तरह हर साल किसी न किसी की बारी आ ही जाती। आर्थिक स्थिति ठीक ठाक थी, खुद को अमीर कहूँ ऐसा तो नहीं था। जहाँ जाती पति धमकियां देते कि 'बम्बई में रहने नहीं दूंगा।' यह अलग किस्म की चुनौती थी। ऐसे में शांतिपूर्ण ठहराव की बात सोच भी कैसे सकती थी। हाँ एक बात जरुर है अगर चुनौतियाँ थीं तो मेरे आसपास मदद करने वाले लोग भी थे। रही बात काम की तो एक से दूसरी पत्रिका में कुछ कुछ समय पूर्णकालिक सेवा देने के अलावा ज्यादातर स्वतंत्र रूप से ही काम किया जिसमें मैं सिनेमा और खेल दोनों के लिए स्तम्भ लेखन और रिपोर्टिंग का काम करती।

- ***काम करने के दौरान कभी लैंगिक भेदभाव से सामना नहीं हुआ?***

इसके बिना किसी स्त्री का करियर पूरा होता है क्या? एक किस्सा सुनाती हूँ। मुझे साफ़-साफ़ महसूस होता था कि मेरे साथ पत्रकार मुझसे ईर्ष्या रखते हैं। एक बार मुझे महान क्रिकेट खिलाड़ी विवियन रिचर्ड का इंटरव्यू का करने का मौका मिले। उस समय विवियन रिचर्ड बहुत बड़े खिलाड़ी माने जाते थे। उनसे इन्टरव्यू कर पाना लॉटरी खुल जाने जैसा था। मेरे कई साथ इस काम में असफल रहे थे। जब मैं साक्षात्कार लिखकर धर्मयुग पहुंची तो वहां काम कर रहे एक वरिष्ठ साथी ने बकवास कहकर उसे फाड़कर फेंक दिया। इसके बाद मैंने साप्ताहिक हिन्दुस्तान से बात की और वहां वह इंटरव्यू प्रकाशित हुआ। इससे पहले मैं सिर्फ धर्मयुग के लिए ही खेल रिपोर्टिंग का काम करती थी।

- ***मीडिया में परिवर्तन का दौर आपके सामने ही आया या फिर उससे पहले आप काम से सेवा निवृत्ति ले चुकी थीं?***

ऐसा नहीं होता, वक्त का बवंडर सर्र से आपकी आँखों से गुजर जाता है और खुद को सबसे आगे समझने वाले आप खुद को सबसे पीछे पाते हो। मैंने हमेशा के लिए बम्बई में बस जाने का फैसला करके एक मीरा रोड पर एक फ़्लैट ले लिया, एक छोटा सा फॉर्म हाउस भी खरीद लिया। बुढ़ापे को अपने हिसाब से जीने का पूरा इंतजाम कर लिया था लेकिन जैसा सोचो वैसा कहाँ होता है। 1990 के बाद धर्मयुग ढलान पर आने लगा, कई समकालीन पत्र-पत्रिकाएँ बंद होने लगीं। दूरदर्शन का उदय हुआ, इसके अलावा नए नए चैनल भी खुलने लगे, प्रिंट मीडिया से जुड़े सभी लोग अपने अस्तित्व के लिए उस समय लड़ रहे थे। उसी समय मेरे मन में एक धारावाहिक बनाने का ख़याल आया जिसमें निर्देशक के तौर पर रमेश तलवार को लिया था कलाकार में शफी इनामदार प्रमुख हस्ती थे। धारावाहिक का निर्माण तो हो गया लेकिन उसे बेचना टेढ़ी खीर साबित हुआ। फिर भी हिम्मत न हारते हुए चार धारावाहिकों के निर्माण के बाद यह समझ बनी कि इस तरह का व्यापार मेरे बस का नहीं है।

- ***काफी पूँजी डूब गई होगी?***

काफी ज्यादा, इतनी की घर बेचना पड़ा। उस समय तो हालत ऐसे थे कि चारों ओर बस असफलता मुंह बाए खड़ी थी जैसे। इलेक्ट्रोनिक मीडिया का दौर शुरू हो चुका था और उस खांचे में मैं खुद को पूरी तरह अनफिट पा रही थी। अंत में फैसला लिया और वापस ग्वालियर आ गई। मैंने कभी खुद को सेवा निवृत्त नहीं माना, मुझ में अभी भी ऊर्जा है लेकिन मेरे भारी भरकम प्रोफाइल को देखकर को काम देने की हिम्मत ही नहीं करता। अभी मैं ग्वालियर में अपनी बड़ी बहन शीला तिवारी के साथ रहती हूँ।

(इस इंटरव्यू के समय रेडियो सीलोन से जुड़ी प्रदेश की पहली उद्घोषक और प्रमिला जी की बड़ी बहन शीला तिवारी जीवित थीं। 20 मार्च 2023 को दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।)

कॉपीराइट : www.swayamsiddhaa.com

प्रधानमंत्री आज रखेंगे संत रविदास मंदिर निर्माण की आधार शिला: डॉ. जितेंद्र जामदार

सागर, देशबन्धु। सुशासन का मूलमंत्र देश को देने वाले संत रविदास के मंदिर निर्माण के लिए मप्र में 25 जुलाई से 18 दिवसीय समरसता यात्रा की शुरूआत हुई। यात्रा का समापन आज सागर में होगा, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संत रविदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समर्पित मंदिर और संग्रहालय की आधारशिला रखेंगे यह बात जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जामदार ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कही। डॉ. जामदार ने कहा की प्रदेश की जनहितैषी भाजपा सरकार ने 8 फरवरी 2023 को इस देवतुल्य कार्य के विषय में घोषणा की थी। संकल्प सिद्ध करने पांच स्थानों नीमच, मांडव जिला धार, श्योपुर, बालाघाट एवं सिंगरौली से एक साथ यात्रा 25 जुलाई को प्रारम्भ हुई। यात्राएं प्रदेश के हर गांव से मिट्टी एवं सभी विकासखण्डों की 313 नदियों से जल का सांकेतिक संग्रहण एवं जनजागरण करते हुये आज सागर पहुंच जाएंगी। बड़तूमा में सौ करोड़ रूपए की लागत से संत शिरोमणि रविदास का विशाल और भव्य मंदिर का निर्माण का कार्य सरकार कर रही है। समरसता यात्रा 5 रूटों से प्रदेश के 45 जिलों से होकर गुजरी। मुख्य यात्रा के साथ ही विभिन्न ग्रामों नगरों में 1661 उपयात्राएं कलश यात्राएं भी आयोजित हुई। यात्रा के दौरान 352 जन संवाद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यात्रा के अंतर्गत पांचों रूटों में 25 लाख से अधिक लोगों द्वारा सहभागिता की गई। यात्रा में प्रदेश के 20641 ग्रामों से मिट्टी और 313 नदियों का जल सांकेतिक रूप से एकत्र किया गया। यात्रा के दौरान संत रविदास के व्यक्तित्व और कृतित्व पर केंद्रित 10 रथ निरंतर चले। इन रथों में संत शिरोमणि का चित्र, पादुका एवं जल संग्रहण हेतु कलश रखा गया, जिनका जगह-जगह पर पूजन हुआ। रथ पर सामाजिक समरसता की सूक्तियों का उल्लेख किया गया, जिसके द्वारा संत रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाया गया। पत्रकार वार्ता में अ.जा. मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. कैलाश जाटव, जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया, विधायक प्रदीप लारिया, जिला मीडिया प्रभारी श्रीकांत जैन, सह मीडिया प्रभारी आलोक केशवानी, यु.मो. जिला अध्यक्ष यश अग्रवाल उपस्थित रहें।

मंदिर निर्माण से सागर को मिलेगी नई पहचान

विधायक प्रदीप लारिया ने कहा की समरसता के प्रतीक संत रविदास मंदिर निर्माण से सागर को वैश्विक स्तर पर नई पहचान मिलेगी देश विदेश से श्रद्धालु मंदिर के दर्शनों कों सागर आएंगे वही पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं बढ़ेंगी और नए रोजगार के साधन सृजित होंगे।

प्रधानमंत्री आज बड़तूमा और ढाना आएंगे

सागर, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आज सागर जिले में आगमन हो रहा है। प्रधानमंत्री बड़तूमा में 100 करोड़ की लागत से संत रविदास के भव्य मंदिर, विशाल स्मारक का भूमिपूजन करेंगे। भूमिपूजन कार्यक्रम के बाद ढाना के एयर स्ट्रिप में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। एनएचएआई की भारत माला परियोजना के अंतर्गत दो परियोजनाओं की 1582.28 करोड़ की सड़को का शिलान्यास करेंगे। वे ढ़ाई हजार करोड़ की लागत से बने कोटा-बीना रेल मार्ग के दोहरीकरण का लोकार्पण करेंगे। कार्यक्रम में मप्र के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केन्द्र और राज्य सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक और अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री के दौरा कार्यक्रम के अनुसार वे नई दिल्ली एयरपोर्ट से पूर्वान्ह 11.50 बजे वायु सेना के विमान से खजुराहो के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर एक बजे खजुराहो एयर पोर्ट पर उनका आगमन होगा। खजुराहो एयरपोर्ट से दोपहर 1.05 बजे हैलीकाप्टर से प्रस्थान कर 2.05 बजे बड़तूमा हैलीपेड पर आयेंगे। श्री मोदी बड़तूमा हैलीपेड से कार द्वारा कार्यक्रम स्थल पहुंचेगे। प्रधानमंत्री दोपहर 2.15 बजे से 2.30 बजे तक संत शिरोमणि रविदास के मंदिर एवं स्मारक का भूमिपूजन करेंगे। इसके पश्चात दोपहर 2.35 बजे वे बड़तूमा हैलीपेड आएंगे तथा वे 2.45 बजे हैलीकाप्टर द्वारा प्रस्थान कर 3.05 बजे ढाना एयर स्ट्रिप पहुंचेगे। श्री मोदी दोपहर 3.15 बजे ढाना सभा स्थल पहुंचेगे। कार्यक्रम के पश्चात सायं 4.15 बजे ढाना एयर स्ट्रिप से हैलीकाप्टर द्वारा खजुराहो के लिए प्रस्थान करेंगे। जहां से वे वायुयान द्वारा नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

100 करोड़ रुपए की लागत से बड़तूमा में बनने वाले संत रविदास के भव्य मंदिर का भूमिपूजन करेंगे

शब्दों से संवाद करें, विवाद नहीं: मुनिश्री

मकरोनिया, देशबन्धु। शब्दों में बहुत शक्ति होती है। शब्द सम्मान भी करते हैं और विवाद भी। शब्दों से संवाद करें यह बात मुनिश्री सुदत्तसागर ने अंकुर कॉलोनी स्थित श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कही, मुनि श्री ने कहा आज वाणी द्वारा एकता वा वात्सल्य का संदेश न देकर विवादास्पद बातों को फैलाकर विवाद फैला दिया जाता है, जो उचित नहीं है। बोलने से पहले विचार करो, कहीं मेरे शब्दों से आग तो नहीं लगेगी, जहर तो नहीं फैलेगा। भाषा का अतिक्रमण नहीं करें। सरकार अतिक्रमण हटती है अभियान चलाकर और हम भाषा, जमीन, धन, पानी, पर्यावरण आदि सभी का अतिक्रमण कर रहे हैं। हर चीज की सीमा होती है, सीमा बनाकर रखना चाहिए। क्षुल्लक श्री चंद्रदत्त सागर ने कहा की ग्रंथों में कहा गया है घीवर जितना पाप मछली मार कर कमाता है, उतना ही पाप एक मनुष्य बिना छाना हुआ जल उपयोग करके कमाता है। कुए का पानी निकाले छाने और जीवानी अवश्य करें। जीव दया की भावना से पानी को फालतू ना फैलाएं। मुनि सेवा समिति सदस्य मनोज लालो ने बताया कि मंगल कलश पुण्यार्जक परिवारों का चातुर्मास कमेटी द्वारा सम्मान किया गया।

एलिस सराफ मेडल देकर सम्मानित किया

सागर, देशबन्धु। पथरिया नगर के वरिष्ठ भाजपा नेता नरेंद्र सराफ, ज्योति सराफकी सुपुत्री एलिस सराफ की एमबीबीएस की डिग्री पूर्ण होने पर कॉलेज प्रबंधन एवं कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा प्रशस्ति पत्र डिस्टिंक्शन मेडल देकर सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर परिवार और समाज गौरवान्वित हुआ।

सागर, देशबन्धु। 15 अगस्त को महिला एवं बाल विकास द्वारा शौर्यदल के द्वारा परेड का प्रैक्टिस की जा रही है। जिसमें महिला बाल विकास की पर्यवेक्षक ममता निषाद और अन्य सहयोगी में रविकांत रैकवार, किशोरी बालिका उपस्थित थी।

मतदात के प्रति जागरूकता लाने ईवीएम मशीन का प्रदर्शन

राहतगढ़, देशबन्धु। विधानसभा निर्वाचन के लिए मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर्स द्वारा नव मतदाताओं को लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान के प्रति प्रेरित करने मतदान केंद्रों, सार्वजनिक स्थानों एवं तहसील परिसर में ईवीएम मशीन का प्रदर्शन किया जा रहा है। एसडीएम अशोक कुमार सेन ने बताया कि ईवीएम मशीन की पूर्ण जानकारी नहीं होने के कारण उनका वोट सही स्थान पर नहीं पहुंच पाता इसके साथ ही नए मतदाताओं की भ्रांतियों को दूर करने के साथ एवं ईवीएम मशीन में वोट डालने के बारे में बताया जा रहा है। विधानसभा चुनाव को लेकर नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मतदान केंद्र बढ़ाने एवं मतदाताओं की स्थान परिवर्तन आदि कार्य की गतिविधियां शुरू हो गई है। मास्टर ट्रेनर एमजी तिवारी ने बताया कि मतदाताओं को जागरूक करने के लिए ईवीएम मशीन एवं व्ही व्ही पैट का प्रदर्शन प्रत्येक मतदान केंद्र पर किया जा रहा है।

फूलरानी (गंगाबाई) तिवारी का निधन

बिलहरा, देशबन्धु। नगर परिषद बिलहरा निवासी श्रीमति फूलरानी तिवारी 86 वर्ष का आकस्मिक निधन गुरुवार को हो गया था। अंतिम संस्कार बिलहरा में हुआ मुखाग्नि उनके पुत्र श्रीकांत तिवारी ने दी। श्रीमति तिवारी वरिष्ठ अधिवक्ता विश्वनाथ तिवारी की मां थी। वे अपने पीछे 7 पुत्र व 2 पुत्रियों सहित भरा पूरा परिवार छोड गई है।

हरियाणा प्रथला स्टेशन से गुम हुए रामचन्द्र पटैल की तलाश हेतु राज्यपाल के नाम दिया ज्ञापन

केसली, देशबन्धु। विकासखंड केसली के रामचन्द्र पटैल वार्ड क्र. 13 टंकी मुहल्ला निवासी की पीड़ित मां सहित भाई रामदयाल पटैल का हरियाणा पलबल पृथला स्टेशन अंतर्गत गुम हुए रामचन्द्र पटैल जो कि डेडीकेटेड फेट कारिडोर कारपोरेशन आफ इंडिया लिमिटेड जयपुर से भर्ती होकर पृथला स्टेशन पलबल हरियाणा में कार्यरत था पर हरियाणा हिंसा के बाद रामचंद्र पटैल गायब हो गया इस दुख की पीड़ा से परेशान मां सहित अन्य सभी परिवार के सदस्यों का इतना बुरा हाल कि सभी का खान पान दुसवार हो गया है जिसकी दु:ख पीड़ा देखकर रिश्तेदार पड़ोसियों और क्षेत्र वासियों के आंसू भर जाते हैं मां सहित पीड़ित परिजनों ने गुम हुए पुलिस थाना अंतर्गत पहुंचकर आवेदन शिकायत दर्ज करवाई पर अब तक कोई गुमशुदा की जानकारी नहीं मिली। इस दुख पीड़ा को सुनकर वार्डवासी और नगर के गणमान्य पीड़ित परिजनों का मनोबल बढ़ाते हुए एकत्रित होकर राज्यपाल के नाम केसली तहसील पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। सौंपे गये ज्ञापन में उल्लेख करते हुए पीड़ित परिजन से कहा है कि गरीब परिवार की पीड़ा सुनने वाला और मदद करने वाला क्या मप्र में कोई नहीं मेरे द्वारा जो प्रथम दृष्टया कार्यवाही की मांग होती हैं गुमशुदा के भाईयों ने वो पूर्ण की अब जो भी कार्यवाही वह मात्र अब मप्र के मुखिया शिवराज सिंह चौहान और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मात्र एक उम्मीद का सहारा है जो संभव हो सकती है वहीं पीड़ित परिजन का यह दुख देखकर केसली से एड. अनिरूद्ध सिंह, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि सरमन सिंह लोधी, सुखदेव अरेले, उमेश खैहुरिया, पीड़ित रामदयाल पटैल, रामकुमार पटैल, मुकेश यादव, रामबाबू यादव, ब्रजमोहन पटैल, गुड्डल तिवारी आदि ने गुमशुदा की तलाश हेतु राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के मुखियों से मांग की है।

ग्रामवासियों ने पुलिस से पकड़वाया गांजा

मालथौन, देशबन्धु। मालथौन क्षेत्र में अवैध शराब के साथ गांजा का कारोबार जमकर फलफूल रहा है सेमरालोधी गांव के लोगो ने गांजा तस्करी कर रहे युवक को रंगे हाथों पकड़ कर पुलिस के हवाले करने का मामला सामने आया हैं और एक घर मे दबिश मारकर 6 किलो गांजा पकड़ा लेकिन आरोपी फरार हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने पकड़े गए युवक से पूछताछ के बाद एक घर में दबिश मारकर बोरियों में गाजा बरामद किया। थाना प्रभारी संतोष सिंह दांगी द्वारा जानकारी देते बताया कि मुखबिर से थाना पुलिस को सूचना प्राप्त हुई थी। सुनील चढ़ार के घर से गाजा लेकर जा रहा है सेमरा लोधी और लोगर की मेढे पर युवक पकड़ लिया जिससे एक किलो चार सौ ग्राम गाजा जप्त किया गया और सुनील चढ़ार के घर पर दबिश दी गई मौके से सुनील चढ़ार फरार हो गया उसके घर की तलाशी ली गई जहां से 6 किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया गया। आरोपियों के विरुद्ध 8/20 एनडीपीएस अधिनियम तहत कार्यवाही की गई मामले में नागेंद्र दांगी भीलों निवासी थाना खुरई की गिरफ्तारी की गई जिसे न्यायालय में पुलिस ने पेश किया। ज्ञात है कि पिछले दिनों सेमरा लोधी गांव में एक व्यक्ति की हत्या की बारदात घटी थी जिसमें हत्या वजह शराब बनी थी उसके बाद ग्रामवासियों ने गांव में अवैध शराब एवं गांजा की बिक्री पर प्रतिबंध लगा था, बड़ी संख्या में युवाओं सहित ग्रामवासियों ने थाना पहुंचकर पुलिस ज्ञापन सौंपा था।

डिजिटल लेन देन हेतु पथ विक्रेताओ के बनाये जा रहे क्यू आर कोड

सागर, देशबन्धु। निगमायुक्त चंद्रशेखर शुक्ला के निर्देश अनुसार पथ विक्रेताओं को पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत विभिन्न चरणों में लाभ दिलाने के साथ शासन की कैशबैक योजना का लाभ दिलाने शहर के मध्य स्थित पं. मोतीलाल नेहरू स्कूल में शिविर लगाया गया, जिसमें प्रतिदिन नि:शुल्क क्यू आर कोड बनाये जा रहे है। ताकि पथ विक्रेता द्वारा लेन देन करने पर शासन द्वारा दिया जाने वाला कैशबैक प्राप्त हो सके। पं. मोतीलाल नेहरू स्कूल में पीएम स्वनिधि योजना का पथ विक्रेताओं को विभिन्न चरणों मे लाभ दिलाने शिविर लगाया गया है, जिसमे पीएम स्वनिधि योजना अंतर्गत प्रथम, द्वितीय और तृतीय चरण के आवेदन ऑनलाइन जमा कर बैंकों में प्रेषित करने की कार्यवाही की जा रही है ताकि पात्र हितग्राही योजना के लाभ से वंचित ना रहे। इसके साथ ही पथ विक्रेताओं को डिजिटल लेन देन करने के लिए प्रोत्साहित कर उनके नि:शुल्क क्यूआर कोड भी बनाये जा रहे है ताकि क्यूआर कोड का उपयोग करने पर पथ विक्रेताओं को शासन के द्वारा दिया जाने वाला कैशबैक का लाभ भी प्राप्त हो सके है।

शिकायत पर आर्थिक अनियमितताओं की जांच की

राहतगढ़, देशबन्धु। नगर के शासकीय महाविद्यालय में आर्थिक अनियमितताओं की शिकायत पर अतिरिक्त संचालक सागर के निर्देश पर जिले की एक जांच टीम शासकीय महाविद्यालय पहुंची। जानकारी के मुताबिक महाविद्यालय जनभागीदारी समिति अध्यक्ष कौशल किशोर कन्हौआ ने 17 बिंदुओं को लेकर संस्था में भ्रष्टाचार की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की थी। जिसके चलते बीते दिवस शासकीय महाविद्यालय पहुंचे जांच दल ने शिकायत की बिंदुवार जानकारी ली। रजिस्टर चेक किए, कैशबुक देखी। संस्था का फर्नीचर अलमारियां फिजिक्स लैब कैमिस्ट्री लैब आदि कई बिंदुओं को बारीकी से देखा। जांच में नौ लाख 55 हजार रुपए में 560 नग कुर्सियां और टेबिलों की मरम्मत का पेमेंट किया गया है। वहीं 48 अलमारियों की मरम्मत डेटिंग पेंडिंग 3 लाख रुपए में कराई गई। जांच टीम के अधिकारियों ने बताया कि प्राथमिक तौर पर आर्थिक अनियमितता सामने आई हैं। शिकायतकर्ता ने कहा कि कुर्सी, टेबल और अलमारियों की मरम्मत के नाम पर इतना पैसा लगा दिया गया जितने में नया फर्नीचर आ सकता था। कुछ दिनों पहले ही सीसीटीवी सही कराए गए थे। वह भी जांच के दौरान बंद पाए गए हैं। कॉलेज में सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया।

तुलसी फाउंडेशन के तत्वधान में पांचवे वर्ष 550 कावड़ यात्री बरभान के लिए हुए रवाना

सागर, देशबन्धु। तुलसी फाउंडेशन के तत्वधान में लगातार पांचवे वर्ष निकली भव्य विशाल कावड़ यात्रा रामबाग मंदिर से रामबाग मंदिर के महंत घनश्याम दास, वृंदावन बाग के महंत नरहरी दास ने कावड़ यात्रियों को वैदिक मंत्र उच्चारण के साथ तिलक लगाकर रवाना किया। इस वर्ष कवाड यात्रा प्रारंभ कावड़ यात्रा में लगभग 550 नर्मदा जल लेने के लिए बरभान के लिए रवाना हुए कावड़ यात्रियों को सागर विधायक शैलेंद्र जैन, जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया, पूर्व विधायक सुनील जैन, कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजकुमार पचौरी, अमित दुबे राम जी, मुकुल पुरोहित, युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष यश अग्रवाल ने तिलक लगाकर शुभकामनाएं दी। कावड़ यात्रा के अध्यक्ष प्रदीप राजोरिया ने बताया कि इस वर्ष 550 कावड़ यात्री बरभान के लिए रवाना हुए हैं। 12 तारीख को शुभ है बरमान में नर्मदा जी की पूजा आरती कर नर्मदा जल लेकर कावड़ यात्री बरमान से सागर के लिए पैदल प्रस्थान करेंगे और 14 अगस्त को तुलसी फाउंडेशन की कावड़ यात्रा सागर में नर्मदा जल लेकर प्रवेश करेगी।

प्रभारी मंत्री को विश्व हिंदू परिषद अध्यक्ष ने सौंपा ज्ञापन

केसली, देशबन्धु। प्रभारी मंत्री का देवरी विधानसभा क्षेत्र मैं आगमन हुआ जिसमें केसली में शासकीय कन्या शाला एवं बालक शाला आने जाने के मार्ग में लगने वाली मांस मछली की दुकानों को पंचायत द्वारा निर्धारित किए गए स्थान पर विस्थापित करने एवं इन दुकानों को श्री गणेश उत्सव पर्व एवं जैन पर्युषण पर्व के समय पूर्णत: बंद करवाने बाबत एवं श्री गणेश उत्सव और जैन पर्युषण पर्व 19 से 28 सितंबर के समय पर विद्यालय में होने वाली स्थानीय परीक्षाओ को त्योहारों के समय ना रखकर त्योहारों के पूर्व या त्योहारों के बाद करवाने हेतु आवेदन सुधीर भाई राजपूत, अध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद रहली द्वारा दिया गया। जिसमें जिला मंत्री प्रीति पटवारी, मंडल अध्यक्ष रामलखन सिंह, अनु.जनजाति मोर्चा अध्यक्ष कृष्ण दीवान एवं पार्टी के कार्यकर्ता शामिल रहे।

गलत साइड से दौड़ रही आरटीओ की कार ने कार को मारी जोरदार टक्कर

मालथौन, देशबन्धु। नेशनल हाइवे पर आरटीओ की कार से जैन यात्रियों कार टकराई जिसमें चार लोग घायल हुए एक यात्री की हालत गंभीर बताई जा रही है। मालथौन थाना अंतर्गत नेशनल हाइवे झांसी सागर मार्ग पर शुक्रवार की सुबह साढ़े पांच मालथौन आरटीओ की बेलोरो कार और कार की आमने सामने जोरदार भिंडत हो गई जिसमें कार में सवार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार ललितपुर निवासी जैन परिवार तीर्थ क्षेत्र सम्मेद शिखर के दर्शनों के लिए जा रहा था कार से क्षिप्रा ट्रेन पकड़ने के लिए बीना स्टेशन जा रहे थे। थाना क्षेत्र की पुलिस चोकी अटा कर्नेलगढ़ स्थित फोर लाइन सड़क पर गलत साइड से आ रही आरटीओ की बोलोरो कार से जोरदार भिंडत हो गई। जिसमें दो सवार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गये जिन्हें मौका से नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद वह ललितपुर ले गए जहां से हालत गंभीर होने पर ग्वाललियर रेफर कर दिया गया हादसे में मनोज जैन रोड़ा, नीतू जैन रोड़ा, अनूप जैन, पवन जैन सभी निवासी तालाब पुरा ललितपुर घायल हो गए। जिनमें एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहन एक तरफ से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई दोनो वाहनों को पुलिस ने जप्त कर लिया। बताया गया कि बोलोरो कार आर टीओ की हैं जो गलत साइड से जा रही थी।

थाना पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ललितपुर से कार क्रमांक यूपी 94 एसी 1445 से बीना जा रहे थे मालथौन तरफ से बोलोरो क्रमांक एमपी 15 बी 3815 आ रही दोनो आमने सामने कलरूव के पास टकरा गई। जिसमें तीन लोगों को चोटे आई है रिपोर्ट ओर बेलोरो कार के चालक के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया।

दिनदहाड़े फायरिंग करने के मामले में दो गिरफ्तार

सागर, देशबन्धु। मोतीनगर थाना क्षेत्र में व्यापारी की दुकान पर दिनदहाड़े फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी आदतन अपराधी है। मामले का मुख्य आरोपी फरार है। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार 3 अगस्त को फरियादिया स्वाति साहू ने मोतीनगर थाने में शिकायत की थी। शिकायत में बताया कि दोपहर के समय वह दुकान पर बैठी थी। तभी आरोपी वासू अहिरवार आया और दुकान पर गोलियां चलाने लगा। गनीमत रही कि स्वाति को गोली नहीं लग पाई। फायर करने के बाद आरोपी वासू मौके से भाग गया। घटना के समय आरोपी वासू का एक साथी योगेश घारू निवासी दमोह कार लेकर घटनास्थल से थोड़ी दूर खड़ा था। वहीं आरोपी देव उर्फदेवू पुत्र डालचंद्र सेन निवासी राजीव नगर वार्ड घटना के समय आरोपी वासू के साथ था। वारदात को अंजाम देने के बाद तीनों कार में सवार होकर फरार हो गए। वारदात में शामिल मुख्य आरोपी वासू अहिरवार फरार है। जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

20 पशुओं की डेयरी को शहर से बाहर किया शिफ्ट

सागर, देशबन्धु। पशु विचरण मुक्त क्षेत्र सागर से डेरियों को शहर से बाहर शिफ्ट करने की कार्यवाही की जा रही है। सहा. आयुक्त राजेश सिंह की उपस्थिति में 20 पशुओं की डेयरी को नगर निगम के वाहन द्वारा शहर से बाहर शिफ्ट किया गया। बताया कि डेयरी विस्थापन कार्रवाई के तहत मोहननगर वार्ड से पुरुषोत्तम साहू की डेयरी के 20 पशुओं को शहर से बाहर शिफ्ट करने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान दल प्रभारी शिवनारायण रैकवार, राजू रैकवार, उमेश चौरसिया एवं दल के कर्मचारी उपस्थित थे।

कावड़ियों का जगह-जगह हुए स्वागत

सागर, देशबन्धु। प्रयागराज के त्रिवेणी घाट से पैदल जल लेकर निकली कावड़ यात्रा शुक्रवार को सिविल लाइन स्थित नर्मदेश्वर धाम पहुंची। मकरोनिया चौराहे से शहर वासियों द्वारा तिलक, पुष्प वर्षा और श्रीफल देकर कावड़ियों का स्वागत किया गया। कावड़ियो ने गंगा जल से शिव का अभिषेक किया गया। कावड़ यात्रा का तीसरा वर्ष है, पं. संजय मिश्रा ने बताया कि कावड़ यात्रा दौरान 10 दिवस में कावड़ियों द्वारा सवा लाख ओम नम: शिवाय मंत्र का जाप किया गया है। नर्मदेश्वर धाम कावड़ यात्रा समिति के सदस्य शशांक पाण्डेय ने बताया कि कावड़ यात्रा प्रयागराज चित्रकूट, सतना, मैहर, कटनी, रेपुरा, दमोह, पथरिया, ग्राम बूढ़ाखेरा से होते हुए सागर पहुंची। प्रयागराज से 550 किलो मीटर पैदल चली कावड़ यात्रा 10 वे दिन नर्मदेश्वर धाम पहुंची। प्रयागराज कावड़ यात्रा में 20 भक्त गए थे। कावड़ यात्रा के साथ यशोदानंदन सरकार और बाबा महाकाल की शाही सवारी निकाली गई।

भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं नैतिक मूल्यों का संरक्षण भारतीय भाषाओं के विकास से ही संभव : कुलपति

सागर, देशबन्धु। भारतीय सांस्कृतिक विरासत एवं नैतिक मूल्यों का संरक्षण भारतीय भाषाओं के विकास से ही संभव है। यह बात विश्वविद्यालयीन राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 43 वीं तिमाही बैठक में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कही। उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति उत्कृष्ट एवं सुखमय जीवन का आधार हैं। अपने बच्चों में भारतीय संस्कारों के विकास के लिए आवश्यक है कि उनमें भारतीय मूल्यों का समावेश भारतीय भाषाओं के माध्यम से किया जाए। इसी महत्वपूर्ण उद्देश्य की संपूर्ति के लिए डॉ. हरीसिंह गौर विवि भारतीय भाषाओं में पाठ्य सामग्री निर्माण की दिशा में सतत प्रयासरत है। इस अवसर पर उन्होंने अखिल भारतीय शिक्षा समागम.2023 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा विमोचित स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर की पाठ्य पुस्तकों के लेखक विश्वविद्यालय के शिक्षकों का आभार जताया। साथ ही इस सृजनात्मक कार्य में अधिक से अधिक योगदान देने के लिए भी प्रेरित किया। उन्होंने इस महत्वपूर्ण कार्य के सफल समन्वय हेतु हिन्दी अधिकारी संतोष सोहगौरा, विवि के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं उप.पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. संजीव सराफ की सराहना की। बैठक में समिति के सदस्य सचिव एवं हिन्दी अधिकारी संतोष सोहगौरा ने बताया कि भारतीय भाषाओं में सृजित पुस्तकों को भारत सरकार के ई.कुंभ पोर्टल पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। शिक्षक गण अनुवाद कार्य हेतु अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, भारत सरकार द्वारा विकसित अनुवादिनी टूल का उपयोग भी कर सकते हैं। यह टूल 12 भारतीय भाषाओं में अनुवाद एवं एडिटिंग की सुविधा उपलब्ध कराता है। बैठक में डॉ. रंजन कुमार प्रधान, प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी, प्रो. वर्षा शर्मा, प्रो. चंदा बैन, प्रो. नागेश दुबे, प्रो. बीके श्रीवास्तव, प्रो. पुणतांबेकर, प्रो. नवीन कानगो आदि उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन राजभाषा प्रकोष्ठ के अभिषेक सक्सेना ने किया। विशेष सहयोग विनोद रजक का रहा।

जिला अस्पताल की लापरवाही फिर आई सामने

बस स्टैंड के शौचालय के समीप हुआ प्रसव

छतरपुर, देशबन्धु। जिला अस्पताल में प्रसव के लिए आई एक महिला को जब इलाज और सही सलाह नहीं मिली तो वह अपने परिवार के साथ वापिस घर जाने लगी थी। बस स्टैंड पर बस का इंतजार करते हुए यह परिवार घर जाने के लिए तैयार था तभी अचानक महिला को तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई और बस स्टैंड के शौचालय के समीप ही महिलाओं ने पर्दा करते हुए इस गर्भवती महिला का प्रसव करा दिया। बाद में स्थानीय लोगों की मदद से दोबारा मौके पर एंबुलेंस बुलाई गई और इस महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जच्चा-बच्चा स्वस्थ हैं लेकिन परिवार ने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही के गंभीर आरोप लगाए हैं।

यह है मामला : प्राप्त जानकारी के मुताबिक बड़ामलहरा क्षेत्र के ग्राम वीरौं निवासी धनीराम आदिवासी की 27 वर्षीय पत्नी रचना आदिवासी को शुक्रवार की सुबह गभर्वती अवस्था में बड़ामलहरा अस्पताल लाया गया था। यहां मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों ने महिला को जिला अस्पताल जाने की सलाह दी, जिसके बाद उसे एंबुलेंस 108 के जरिए जिला अस्पताल लाया गया।

जिला अस्पताल में जिस वक्त यह महिला पहुंची तब वहां पीएम मोदी की 12 अगस्त को होने वाली ट्रांजिट विजिट की मॉकड्रिल चल रही थी, महिला के पति धनीराम आदिवासी ने बताया कि वह काफी देर तक इलाज के लिए परेशान होता रहा लेकिन अस्पताल में किसी ने भी उसकी फरियाद नहीं सुनी, इसलिए वह पत्नी को लेकर वापिस अपने घर जा रहा था। वह बस स्टैंड पहुंचकर बस का इंतजार कर रहा था तभी अचानक पत्नी को तेज प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। यहां मौजूद लोगों ने हमारी मदद करते हुए महिला का प्रसव करा दिया। जब खुले में प्रसव हुआ तो परिवार के द्वारा फिर से एंबुलेंस 108 बुलाई गई और महिला को जिला अस्पताल भेजा गया। धनीराम आदिवासी का आरोप है कि न तो एंबुलेंस संचालक ने हमारी मदद की और न ही जिला अस्पताल में कोई मदद की गई, जिस कारण से हम परेशान होते रहे।

इनका कहना है

महिला जिला अस्पताल से वापिस क्यों चली गई, इसकी जानकारी नहीं है। हो सकता है महिला को लगा हो कि अभी डिलीवरी नहीं होना है। अस्पताल में यदि लापरवाही की गई है तो हम इस मामले की जांच कराएंगे।

डॉ. लखन तिवारी, सीएमएचओ

प्राचार्य पर गिरी निलंबन की गाज निरीक्षण में मिली थी खामियां

बक्सवाहा, देशबन्धु। शासन-प्रशासन द्वारा शिक्षा का स्तर सुधारने के लिए नित नए प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन स्कूल प्रबंधन के लापरवाह रवैये के चलते शासन की तमाम योजनाओं पर पानी फिरता नजर आ रहा है। हालांकि अब शिक्षा के क्षेत्र में लापरवाही बरतने वालों पर जिला शिक्षा अधिकारी ने सख्त रवैया अपनाया है। पिछले दिनों बकस्वाहा क्षेत्र के एक विद्यालय का जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देश पर निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण में मिलीं व्यापक अनियमितताओं के बाद डीईओ ने कारण बताओ नोटिस जारी किया और जब सही स्पष्टीकरण नहीं मिला तो प्रभारी प्राचार्य को निलंबित कर दिया गया है।

दरअसल पिछले दिनों डीईओ के निर्देशन में अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक शिक्षा विभाग छतरपुर द्वारा शासकीय हाई स्कूल सैडारा संकुल के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बम्हौरी का औचक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान संस्था में कर्मचारी उपस्थिति पंजी का संधारण नहीं पाया गया, साथ ही छात्रों की उपस्थिति में भी काफी कम पाई गई थीं। निरीक्षण अधिकारी को न तो उपस्थिति पंजी उपलब्ध कराई गई और न ही शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार शाला में कोर्स कराना पाया गया था। शाला में साफ-सफाई के अभाव के साथ-साथ और भी कई अनियमितताएं पाई गईं थी।

इन कमियों के मद्देनजर अनियमितता करने वाले शासकीय हाई स्कूल सैडारा के प्रभारी प्राचार्य जगदीश प्रसाद पचौरी, अतिथि शिक्षक वीरेंद्र लोधी, पुष्पेंद्र पचौरी, डाटा एंट्री ऑपरेटर अजय सिंह और प्रयोगशाला सहायक दीपेंद्र अहिरवार को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया जिस पर जगदीश प्रसाद पचौरी ने 4 अगस्त को स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया। स्पष्टीकरण समाधानकारक न पाए जाने और अपेक्षित दस्तावेज परीक्षण हेतु प्रस्तुत न किए जाने के चलते प्रभारी प्राचार्य जगदीश प्रसाद पचौरी को जिला शिक्षा अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में जगदीश प्रसाद पचौरी प्रभारी प्राचार्य का मुख्यालय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कितपुरा विकासखंड गौरिहार निर्धारित किया गया है।

सार समाचार

महालक्ष्मी मंदिर में नि:शुल्क नेत्र शिविर आज

छतरपुर, देशबन्धु। नगर अग्रवाल समाज द्वारा राजाराम अग्रवाल ईशानगर वालों की स्मृति में महालक्ष्मी मंदिर में शनिवार को नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर ग्रीन एवेन्यू सटई रोड निवासी उनकी पत्नी अंजना अग्रवाल व पुत्र पराग अग्रवाल के सहयोग से आयोजित किया जाएगा।

अग्रवाल समाज के मीडिया प्रभारी रामकिशोर अग्रवाल ने बताया कि नि:शुल्क नेत्र परीक्षण शिविर में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट के डॉक्टरों की टीम सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक आंखों के मरीजों की जांच करेगी। आँखों की जांच कर मरीजों को आवश्यक सलाह देकर दवाई और चश्मा दिये जाएंगे। मोतियाबिंद के मरीजों को शिविर समाप्त होने के तत्काल बाद निजी वाहन से ऑपरेशन के लिए चित्रकूट ले जाया जाएगा। मरीजों के चित्रकूट जाने, वापस आने एवं भोजन व ठहरने की समस्त व्यवस्थायें नि:शुल्क रहेगी। मरीजों को शिविर में आधारकार्ड की फोटोकॉपी लाना जरूरी है। नगर अग्रवाल समाज के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने बताया कि शिविर में सभी मरीजों को खिचड़ी प्रसाद और भोजन की व्यवस्था की गई है। उन्होंने आँखों के मरीजों से अधिक से अधिक संख्या में आकर शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

पाहिल वाटिका में हुआ पौधरोपण

खजुराहो, देशबन्धु। नगर परिषद की पाहिल वाटिका परिसर में मेरी माटी-मेरा देश अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को मुख्य नगर पालिका अधिकारी बसंत चतुर्वेदी की मौजूदगी में पौधरोपण किया गया। इस मौके पर उपयंत्री विद्यासागर मिश्रा, कल्याण सिंह,आदित्य सिंह,आशीष सिंह चंदेल, शैलेन्द्र जैन, अजय मिश्रा, गोपी मिश्रा, नीलेश अवस्थी सहित नगर परिषद का स्टाफ और कर्मचारी मौजूद रहे। यह अभियान तीन चरण में चलेगा और इसका पहला चरण 15 अगस्त को संपन्न होगा।

मेरी माटी-मेरा देश अभियान के तहत किया पौधारोपण

छतरपुर, देशबन्धु। अमृत महोत्सव के तहत जनपद लवकुशनगर की पंचायत गुधौरा में देश की आजादी में योगदान देने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पश्री स्व. कुंवर प्रसाद पांडेय के योगदान को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि देकर नमन किया। देश की एकता, भाईचारा शांति, सद्‌भावना का कायम कर पंचायत के सर्वाणीण विकाश में योगदान देने का संकल्प लिया। इस मौके पर सरपंच अखलेश शुक्ला ह्देश शुक्लां राहुल तिवारी, बालादीन तिवारी, कल्लू पाल, रजवा यादव, देवी प्रसाद शुक्ला, सहित अनेक ग्रामीणजन मौजूद रहे। पंचायत कार्यालय में आयोजित शहीदों को पुष्पांजलि कार्यक्रम का शुभारंभ राष्ट्रगान से हुआ। सरपंच अखलेश शुक्ला ने शहीदों की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। तत्पश्चात स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. कुंवर प्रसाद पांडेय के पुत्र श्री सनत कुमार पांडेय का शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को देश, प्रदेश के साथ गांव के सर्वाणीण विकास के लिए एकजुटता से सार्थक प्रयास करने का संकल्प दिलवाया। उन्होंने ने कहा कि आपसी तालमेल से ही ग्राम पंचायत का विकास संभव है। उन्होंने गीत गाकर युवाओ को देशहित में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्र सर्वोपरि है। इसकी आन और शान कायम रखना हमारा दायित्व है।

खजुराहो में चौकस सुरक्षा अल्पप्रवास पर आज आएंगे प्रधानमंत्री

छतरपुर, देशबन्धु। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 अगस्त को सागर जिले में प्रस्तावित संत रविदास के मंदिर की आधारशिला रखने के लिए बुन्देलखंड की यात्रा पर आ रहे हैं। वे सागर जाने से पहले विशेष विमान से खजुराहो एयरपोर्ट पर उतरेंगे और यहां से ढाना हवाईपट्टी की ओर हेलीकॉप्टर से जाएंगे। खजुराहो में प्रस्तावित प्रधानमंत्री के इस अल्पप्रवास के लिए सुरक्षा के तगड़े इंतजाम किए जा रहे हैं। यद्यपि उन्हें खजुराहो में सिर्फ विमान बदलना है लेकिन इस छोटी सी ट्रांजिट विजिट के लिए भी पीएम के प्रोटोकॉल के अनुरूप न सिर्फ खजुराहो में बल्कि छतरपुर जिला अस्पताल में भी सुरक्षा के इंतजाम किये गए हैं। पीएम मोदी की सुरक्षा संभालने वाली एसपीजी टीम ने स्थानीय अधिकारियों के साथ जिला अस्पताल का निरीक्षण किया। आपाताकालीन स्थिति में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता जांची गई। सिविल सर्जन डॉक्टर जी.एल. अहिरवार को कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए गए। उधर खजुराहो एयरपोर्ट के आसपास जिला मजिस्ट्रेट के द्वारा धारा 144 लागू कर दी गई है। खजुराहो एयरपोर्ट के आसपास 3 किलोमीटर क्षेत्र को रेड जोन घोषित किया गया है। 12 अगस्त की शाम तक खजुराहो को नो-फ्लाइंग जोन भी बनाया गया है। यानि यहां ड्रोन, पैराग्लाइडर, हॉट बैलून सहित अन्य फ्लाइंग ऑब्जेक्ट पर प्रतिबंध रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

लूट में पकड़े गए युवक की ग्वालियर में मौत

- पुलिस पर मारपीट के आरोप, हाईवे पर परिजनों ने लगाया जाम

छतरपुर, देशबन्धु। पिछले दिनों बमीठा थाना पुलिस ने लूट सहित तीन मामलों का खुलासा करते हुए थाना क्षेत्र के बमारी गांव के रहने वाले 20 वर्षीय राजबहादुर सिंह को गिरफ्तार किया था। पकड़े गए युवक को 5 अगस्त को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया था। 7 अगस्त को जेल में इस युवक की तबियत खराब हुई जिसके कारण उसे जिला अस्पताल और फिर ग्वालियर रेफर करना पड़ा। 10 अगस्त को ग्वालियर में इस युवक की मौत हो गई। युवक की मौत के बाद उसके परिजनों ने 11 अगस्त को लाश लेने से इंकार कर दिया और बमारी तिराहे पर जाम लगा दिया। यह तिराहा छतरपुर-पन्ना हाईवे पर मौजूद है। जाम लगने के कारण यहां दो घंटे तक सैकड़ों वाहन फंसे रहे। परिजनों की मांग है कि इस मामले के लिए 4 पुलिसकर्मी जिम्मेदार हैं, जिन पर मुकदमा कायम किया जाए। एएसपी विक्रम सिंह देर शाम तक परिजनों को मनाने की कोशिश करते रहे लेकिन खबर लिखे जाने तक जाम नहीं खुल सका है।

मृतक राजबहादुर के भाई लकी सिंह ने मीडिया को दिए गए बयानों में आरोप लगाया है कि बमीठा थाना पुलिस द्वारा 25 जुलाई को उनके भाई राजबहादुर को घर से हिरासत में लिया गया था। पुलिस उसे कई दिनों तक पीटती रही। उसे छोडने् के लिए 2 लाख रुपए मांगे गए। जब रुपए नहीं दिए गए तो राजबहादुर के ऊपर लूट के फर्जी मुकदमे लाद दिए। जिस व्यक्ति की शिकायत पर लूट का मुकदमा दर्ज किया गया है वह व्यक्ति खुद बयान जारी कर कह चुका है कि लूट की घटना में राजबहादुर नहीं था।

इसके बाद भी पुलिस ने राजबहादुर को गैर कानूनी तरीके से हिरासत में रखकर बुरी तरह पीटा और फिर जेल भेज दिया। पुलिस की मारपीट के कारण राजबहादुर की हालत खराब हो गई और इसी कारण उसकी जान गई है। परिवार के साथ सैकड़ों महिलाओं और पुरुषों ने लाश लेने से इंकार करते हुए इस मामले में 4 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा कायम करने की मांग करते हुए हाईवे को जाम कर दिया। परिवार ने कहा कि राजबहादुर की मौत के लिए पूर्व एसडीओपी मनमोहन सिंह बघेल, टीआई परशुराम डाबर, पुलिसकर्मी धर्मेन्द्र जाटव और उमाशंकर गर्ग जिम्मेदार हैं। इन सभी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाए। घटना स्थल पर जाम लगने की सूचना मिलने के बाद भारी पुलिस बल को भेजा गया। एएसपी विक्रम सिंह सहित पुलिस के कई अधिकारी परिवार के लोगों से बात-चीत करते रहे लेकिन देर शाम तक इस बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। पुलिस ने शव को अपनी कस्टडी में रखा है और परिवार से शव लेकर अंतिम संस्कार करने की गुहार लगाई लेकिन परिवार ने लाश लेने से ही इंकार कर दिया। खबर लिखे जाने तक हाईवे पर जाम की स्थिति बनी हुई थी।

विधायक आलोक चतुर्वेदी ने लगाई जनदर्शन चौपाल

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर के कांग्रेस विधायक आलोक चतुर्वेदी पज्जन भैया ने छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत जनदर्शन चौपालों का अनूठा अभियान शुरू किया है। इस अभियान के अंतर्गत उन्होंने शुक्रवार को तीन गांव में चौपाल लगाकर जनसमस्याओं को सुनकर उनका निराकरण किया। इस अवसर पर उन्होंने विधायक निधि के माध्यम से ग्रामों में विकास कार्यों हेतु राशि भी देने का ऐलान किया।

विधायक आलोक चतुर्वेदी ने शुक्रवार को ग्राम अचट्ट, सुकवां और कूंड़ का भ्रमण करते हुए यहां चौपालें लगाकर जनता की समस्यायें सुनीं। विधायक प्रतिनिधि सियाराम रावत ने बताया कि श्री चतुर्वेदी के द्वारा ग्राम अचट्ट की हरिजन बस्ती में पेयजल संकट की समस्या के निदान के लिए 10 हजार रुपए की राशि देते हुए जल सप्लाई के उपकरणों की व्यवस्था कराने का ऐलान किया गया। तदोपरांत ग्राम कूंड़ में स्थानीय लोगों की मांग पर एक सड़क निर्माण के लिए डेढ़ लाख रुपए की राशि देने का ऐलान किया गया। जनता ने अपने बीच हुईं इन घोषणाओं के बाद विधायक का आभार व्यक्त किया। चौपाल के दौरान भगवानदास कुशवाहा, पूर्व सरपंच रतन सिंह, शिव प्रताप सिंह, विजय रावत, वृंदावन तिवारी, गोविंद पाराशर, कल्लू जागीरदार, जगदीश साव, गनेशजू, अवधेश रावत, कैलाश राय आदि उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बोलीं-भाजपा जो कहती है वह करती है

छतरपुर, देशबन्धु। भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष और पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव ने आज अपने जनसंपर्क के दौरान छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम महेबा का भ्रमण कर लोगों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के लिए मौके पर ही निर्देश दिए। उन्होंने विपक्षी दलों को भी आड़े हाथों लिया। पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव ने कहा कि चुनाव में दुनिया भर के ठेकेदार आते है और बड़े-बड़े वादे करते है लेकिन फिर सुध नहीं लेते, जबकि भाजपा जो कहती है वह करती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने दस साल के विधायक के कार्यकाल में समान रूप से विकास कार्य किया।

कभी किसी के साथ भेदभाव नहीं किया क्योंकि जो चुनकर जाता है वह सबका होता है। इस मौके पर बुजुर्ग महिलाओं द्वारा पेंशन न मिलने की शिकायत करने पर श्रीमती ललिता यादव ने मौके पर ही पंचायत सचिव को तलब कर ढ़ाई एकड़ से कम जमीन वाली महिलाओं के फार्म भरने के निर्देश दिए। इस दौरान महेबा के अहिरवार मोहल्ला में नाली की समस्या सामने आने पर उन्होंने कल मौके का सर्वे कराने और तत्काल समस्या हल करने का भरोसा दिया।

पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव ने लाड़ली बहना योजना का जिक्र करते हुए कहा कि महेबा की 800 बहनों को इस योजना से पैसे मिल रहे है जिससे उनकी ताकत को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने बढ़ाया है। उन्होंने बताया कि 21 से 23 वर्ष की 300 बहनों के भी फार्म भरे गए है उन्हें भी इसका लाभ मिलेगा।

श्रीमती ललिता यादव ने महिलाओं के बीच बैठकर बात की तो ज्यादातर महिलाओं ने समग्र आईडी न बनने की परेशानी बनाई। महिलाओं ने शिकायत करते हुए कहा कि रोजगार सहायक पंचायत में कम आते है। पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव ने बताया कि ग्राम महेबा में फिलहाल 200 लोगों को पेंशन योजना से सामाजिक सुरक्षा मिल रही है।

मौनिया महोत्सव में सीएम ने की थी घोषणा, बिजावर विधायक ने जताया आभार

सटई को मिला तहसील का दर्जा, कैबिनेट में मंजूर हुआ प्रस्ताव

__बिजावर, देशबन्धु।__ विधायक राजेश शुक्ला बबलू के सतत प्रयासों के चलते मौनिया महोत्सव में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा की गई घोषणा के अनुरूप बिजावर विधानसभा के सटई को तहसील का दर्जा प्राप्त हो गया है। सटई में नवीन तहसील सृजन करने का प्रस्ताव कैबिनेट में शुक्रवार को मंजूर किया गया। सटई को तहसील बनाए जाने से संपूर्ण क्षेत्रवासियों में उत्साह का माहौल है। विधायक राजेश शुक्ला बबलू ने समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई देकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार व्यक्त किया है।

विधायक श्री शुक्ला ने बताया कि पिछले दिनों बिजावर में आयोजित मौनिया महोत्सव के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के समक्ष सटई को तहसील बनाने की मांग रखी थी, जिस पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंच से सटई को तहसील बनाने की घोषणा की थी। दस्तावेजी प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद कैबिनेट ने सटई को तहसील बनाने की मंजूरी दे दी है। श्री शुक्ला ने बताया कि सटई क्षेत्र के लोगों अभी तक तहसील संबंधी कार्यों के लिए या तो बिजावर आना होता था या फिर राजनगर जाना पड़ता था। उक्त दोनों तहसील मुख्यालय सटई से काफी दूरी पर स्थित होने के कारण लोगों को विभिन्न समस्याओं का सामाना करना पड़ता था। अब सटई तहसील बन जाने से क्षेत्र के लोगों को इन समस्याओं से निजात मिलेगी। उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों को इस उपलिब्ध के लिए बधाई दी है, साथ ही मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का आभार जताया है।

__सृजित किए जाएंगे 17 पद, 31 पटवारी हल्के होंगे शामिल :__ विधायक श्री शुक्ला ने बताया कि नवीन तहसील सटई में कुल 17 नए पद सृजित किए जाएंगे और सटई तहसील में कुल 31 पटवारी हल्कों को शामिल किया जाएगा जिसमें कुछ हल्का बिजावर तहसील क्षेत्र के हैं तथा कुछ राजनगर तहसील क्षेत्र के। जो पटवारी हल्का नवीन तहसील सटई में शामिल किए गए हैं उनमें पटवारी हल्का बरेठी, कुटिया, सांदनी, पारवा, बांदनी, सिलावट, भैरा, सलैया, कावर, झमटुली, कटारा,औंटापुरवा, बेड़री, लखनगुवां, रगौली, डारगुवां, विजयपुर, जखरौन कला, सटई, नदगांय बट्टन, कसार, रजपुरा, नारायणपुरा, अमरपुरा, कुपिया, अमरौनिया, मझगुवां कला, सुकवाहा, मोतीगढ़, पलकौंहा और खरियानी शामिल है।

__यह गांव होंगे तहसील में शामिल :__ विधायक राजेश शुक्ला बबलू ने बताया कि सटई तहसील बनने से 31 पटवारी हल्का के अंतर्गत आने वाले 64 गांव के लोगों को सुविधाएं तथा राहत मिलेगी। विधायक के मुताबिक जिन गांवों का तहसील मुख्यालय सटई होगा उनमें ग्राम सतना, बरेठी, हतना, दिदौनिया, कुटिया, टपरियन, सांदनी, गुड़पारा, पारवा, बांदनी, ज्वाना, करिया कछार, सिलावट, रामपुर, भैरा, सलैया, डुगरिया, पिपरिया, कावर, करौंदया, सैजा, विक्रमपुर, झमटुली, कटारा, चौका कोंड़न, औंटापुरवा, रमपुरा, बेड़री, देवगांव, लखनगुवां, रगौली, पगारा, मड़ेलन पुरवा, मोटे का पुरवा, डारगुवां, औंरिया, साकरोबरा, विजय पुर, जखरौन खुर्द, जखरौन कला, हीरापुर, सटई, डोंगरा, नदगांय बट्टन, उदैनिया, कसार, रजपुरा, नदगांय खुर्द, नारायणपुरा, अगरा, अमरपुरा, सिंगरामपुर, कुपिया, अमरौनियां, चैतुवा जटकरा, मझगुवां कला, पुनगुवां, सुकवाहा, भौंरखुवा, घुघरी, मोतीगढ़, पलकौंहा, खरियानी और ग्राम ढोंड़न शामिल है।

अभिमत

सीधी सी बात थी, मणिपुर पर मोदी का मौन व्रत तुड़वाना था। सामूहिक बलात्कार, नरसंहार पर बेहिस-बेग़ैरत सरकार को संसद के ज़रिये एक्सपोज करना था, तो अविश्वास प्रस्ताव ही एक रास्ता बचा था, जिसपर व्यापक बहस होती। लेकिन हुआ क्या? एक ऊंट की शादी हो रही थी। शादी में गधे गीत गा रहे थे। गधों ने ऊंट के रूप की बड़ाई करते हुए कहा, 'अहो रूपम' अर्थात, 'आप क्या लग रहे हैं!' ऊंट ने भी शिष्टाचार धर्म का पालन करते हुए कहा, 'अहो ध्वनि' अर्थात 'क्या आवाज है आपकी!'

अहो रूपम, अहो ध्वनि!

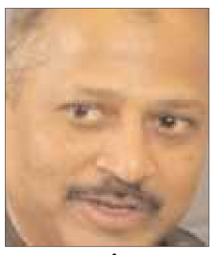

पुष्परंजन

सवाल तीन थे। पहला, मणिपुर में हिंसा भड़कने के तीन महीने बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर क्यों नहीं गए? दूसरा, मणिपुर पर बोलने के लिए प्रधानमंत्री को 80 दिन क्यों लगे? और तीसरा, प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को बर्खास्त क्यों नहीं किया? मोदी ने किसी का उत्तर नहीं दिया।

बकवास करो
हर बार करो – गर बिकता है।
बेबात हँसो,
बकवास करो।

रवीन्द्र दास की शुरू की दो, और आख़िरी की दो लाइनों की याद गुरुवार शाम अनहद आती रही। संसद में थकाऊ और लंबे भाषण पर मोदी मन भाये वाले सभासद थक नहीं रहे थे। दूसरी ओर सोशल मीडिया पर समर्थन कम और लानत का समां अधिक बंधा हुआ था। संसद में कभी मेज का थपथपाना, तो कभी 'मोदी-मोदी' के नारे को चुनावी मंच बना चुके थे ट्रेजरी बेंच पर विराजे महानुभाव। मणिपुर पर प्रधानमंत्री जब बोल रहे थे, उस अभागे प्रांत से एक ख़बर आई, जिसे एजेंसियों ने सत्रावसान के बाद चलने दी। ख़बर थी, सामूहिक बलात्कार की। आजकल सामूहिक बलात्कार, मॉब लिचिंग की ख़बरें सन्नाटे को चीर नहीं पाती। सुनने वालों के कानों, दिलो-दिमाग़ से गुज़र जाती हैं ऐसी ख़बरें। हमारी इंद्रियों को स्मार्ट फोन ने इंगेज कर रखा है। अधिकांश की आत्मा मर चुकी है। विगत दस वर्षों में नेटीजंस की जो पौध झाड़-झंखाड़ की तरह उग आई, उनमें संवेदना को कुंद करने का काम बड़े पैमाने पर हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी इन दिनों अदालत से प्रसन्न नहीं दीखते। संसद में उनके एक वाक्य से न्यायालय के प्रति उनकी जुगुप्सा यों जाहिर हुई, 'मणिपुर पर अदालत का फैसला आया। अब अदालतों में क्या हो रहा है, ये हम जानते हैं।' प्रधानमंत्री अदालत से नाखुश केवल मणिपुर में आदिवासी समुदाय को आरक्षण और उसके बाद बेकाबू दावानल से नहीं हैं, राहुल गांधी के लिए संसद में वापसी का रास्ता सुप्रीम कोर्ट के बज़रिये जिस तरह प्रशस्त हुआ, वह सबसे अधिक कष्ट का कारण है।

मोदी ने संभवत: सोचा नहीं था कि रावण, विभीषण, कुंभकरण शब्दों के माध्यम से संसद में साक्षात किये जाएंगे। ठीक से देखा जाए तो संसद में राहुल का सर्वाधिक सशक्त और मारक 'सर्जिकल स्ट्राइक' रहा है। ट्रेजरी बेंच में तिलमिलाहट से साफ नज़र आ रहा था कि राहुल के शब्दभेदी वाण से वो आहत हैं। अक्सर मुस्कुराते रहने और निश्चिंत भाव-भंगिमा वाले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पहली बार देश ने ग़ुस्से में देखा। आसन पर बेचैनी से करवटें बदलते देखकर उनकी असहज स्थिति का अंदाज़ा आसानी से लगाया जा सकता था।

गुरूवार को विश्व गुरू के बोलने से पहले पूरे देश को यही अंदाज़ा था कि 'इंडिया' और खुसूसन राहुल गांधी पर वो अग्निवाण छोड़ेंगे। राहुल को शब्दों से वो वेध देंगे। मगर, मालूम नहीं क्यों मोदी के शब्द फुस्स फुलझरी साबित हुए। अब संभवत: लालक़िले के प्राचीर से प्रधानमंत्री शब्दों के गोले दागें। लेकिन कितना भी अच्छा नाचने वाला मोर जब अपने पैरों की ओर देखता है, थम जाता है। मणिपुर भी मोर के पांव की तरह पीएम मोदी के पादुका में प्रत्यारोपित हो चुका है। मोदी ने तो शायद मणिपुर पर चुप रहने की ठान ली थी, मगर विपक्ष की व्यूह रचना ने उन्हें बोलने पर विवश कर दिया। मणिपुर पर मोदी क्या विपक्ष के बायकॉट का इंतज़ार कर रहे थे?

लोकसभा में देश के प्रधानमंत्री के बयानों पर मुलाहिज़ा कीजिए, 'महिलाओं के साथ गंभीर अपराध हुए। यह अपराध अक्षम्य है। दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने के लिए हम भरपूर प्रयास कर रहे हैं। जिस प्रकार से प्रयास चल रहे हैं, निकट भविष्य में शांति का सूरज जरूर उगेगा। मणिपुर फिर एक बार नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ेगा। मैं मणिपुर के लोगों से भी आग्रहपूर्वक कहना चाहता हूं। वहां की माताओं, बहनों, बेटियों से कहना चाहता हूं- देश आपके साथ है। यह सदन आपके साथ है। हम सब मिलकर इस चुनौती का समाधान निकाल लिया, वहां शांति की स्थापना होगी। मणिपुर फिर विकास की राह पर तेज गति से आगे बढ़ेगा। प्रयासों में कोई कसर बाकी नहीं रहेगी।'

लेकिन सरकार से ग़लतियां हुईं। पूरा सिस्टम फेल कर गया। क़ानून-व्यवस्था की धज्जियां उड़ीं, यह क्यों नहीं स्वीकार करते प्रधानमंत्री मोदी? म्यांमार से 1643 किलोमीटर सीमा पूर्वोत्तर के चार राज्यों अरूणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर और मिज़ोरम साझा करते हैं। मणिपुर के पांच ज़िले 400 किलोमीटर लंबी म्यांमार सीमा से लगे हैं। इसकी सुरक्षा की ज़िम्मेदारी क्या कांग्रेस के हवाले कर रखी है अमित शाह और राजनाथ सिंह ने? दंगाग्रस्त मणिपुर संभाल नहीं पा रहे हैं, ठीकरा फोड़ रहे हैं कांग्रेस पर। अमित शाह ने संसद में कहा, 'मैं विपक्ष की इस बात से सहमत हूं कि वहां हिंसा का तांडव हुआ है। हम मानते हैं कि जो हुआ है वो शर्मनाक है, लेकिन उस पर राजनीति करना उससे भी शर्मनाक है।'

सबसे बड़ी बात जवाबदेही की है। मणिपुर में फोर्स की तैनाती का आदेश जिस मंत्री ने दिया, यदि वहां शांति स्थापना में विफल हो जाता है, तो इस विफलता का जिम्मा कांग्रेस पर नहीं थोप सकते। अमित शाह का मणिपुर घूमकर आना इतना महत्वपूर्ण नहीं, जितना कि वहां शांति बहाली। फिर तो यह भी पॉलिटिकल टूरिज़्म हुआ। कल तक आपकी जो सांसद, प्रवक्ता इम्फाल में मणिपुरी नृत्य कर रहे थे, आज सीन से क्यों ग़ायब हैं? स्मृति ईरानी को राहुल गांधी की फ्लाइंग किस पर पीड़ा हो रही है, लेकिन मणिपुर में सामूहिक बलात्कार की लगातार हो रही घटनाओं से कोई कष्ट नहीं हो रहा। सत्ता के अहंकार ने स्मृति जैसी महिलाओं को कैसे काठ कलेजा कर दिया?

मणिपुर के संदर्भ में केंद्र सरकार द्वारा पोषित-पल्लवित राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) की भूमिका भी पीड़ादायक है। जनवरी 1992 में बनी इस संस्था का गठन देशभर में महिलाओं पर हो रहे ज़ुल्मों-सितम को रोकना, जेंडर जागरूकता, पीड़ित महिलाओं की खोज ख़बर लेने के उद्देश्य से किया गया था। महिलाओं के विरूद्ध हिंसा, यौन उत्पीड़न करने वालों को कहीं से नहीं बख्शना, महिला सशक्तीकरण जैसे लक्ष्यों को लेकर बनी संस्था क्या वाकई मणिपुर के संदर्भ में कुछ कर पाई? 19 जनवरी, 2023 के बाद एनसीडब्ल्यू की किसी भी गतिविधि की सूचना इनके पोर्टल पर नहीं है।

राष्ट्रीय महिला आयोग कांग्रेस के समय जैसा था, आज भी लगभग वैसा ही है। बस, किरदार बदल गये हैं। 2 अक्टूबर, 1994 को रामपुर तिराहा रेप कांड की शिकार औरतों को ढूंढने मैं ऊखी मठ पहुंच गया था, तब राष्ट्रीय महिला आयोग की एक टीम चमोली ज़िले के पिंडर में फूलों की घाटी की सैर करने गई थी। शायद कुछ और पत्रकार अनुभव साझा करें। सालाना बजट का मोटा पैसा राष्ट्रीय महिला आयोग जैसे महकमे पर ख़र्च होता है, लेकिन उसके परिणाम निकलकर क्या आते हैं, उसकी साक्षात नज़ीर हैं मणिपुर की औरतें।

म्यांमार लंबे समय से उपद्रवग्रस्त रहा है। फरवरी 2012 से अप्रैल 2023 तक म्यामांर में 600 से अधिक हमले हो चुके है, जिसमें 6337 लोग मारे जा चुके हैं। इन इलाकों से विस्थापन सबसे पहले भारत का पूर्वोत्तर भुगतता है। लाओस, थाईलैंड, चीन से लगे म्यांमार की सीमाएं भारतीय हिस्से में जिधर से जुड़ी हैं, उसका बड़ा हिस्सा अब भी बाड़बंदी का इंतज़ार कर रहा है। हथियार, ड्रग ट्रैफिकिंग, अवैध आव्रजन इस सीमा से बड़े स्केल पर होते रहे हैं, इसका पता दिल्ली में बैठे सुरक्षा महकमों के शिखर नौकरशाहों को है।

मोरेह सीमा से इम्फाल केवल 110 किलोमीटर की दूरी पर है। मणिपुर के 160 रिलीफ कैंपों में म्यांमार से विस्थापित 30 हज़ार 500 शरणार्थी रह रहे हैं। देश के गृहमंत्री का कहना था कि जो लोग इन शरणार्थी कैम्पों में हैं, वही फितना फैला रहे हैं। यह कैसे संभव है कि सुरक्षा बलों और कैमरे की निगरानी के बावजूद शरणार्थी कैंपों के लोग दंगा-फसाद, बलात्कार करें? सच छुपाते रहिए, और ठीकरा उस पर फोड़िये जो निरीह प्राणी है, आपका वोट बैंक नहीं है। यही सब मणिपुर के प्रयोगशाला में हो रहा है।

सबसे मुश्किल फैसला केंद्रीय गृह मंत्रालय का था, जिसके तहत मणिपुर में असम राइफल्स की तैनाती की गई थी। आज उस तैनाती को लेकर मैतेई-नगा और कुकी समुदाय के विधायक आमने-सामने हैं। पहले मैतेई और नगा समुदाय के 40 विधायकों ने प्रधानमंत्री से असम राइफल्स की सभी यूनिटों को बदल कर उनकी जगह दूसरे केंद्रीय बलों की तैनाती की मांग की। इसके पश्चात कुकी-जोमी समुदाय से जुड़े दस विधायकों ने पीएमओ को पत्र लिखकर कहा है कि असम राइफल्स की यूनिटों को यहीं रहने दिया जाए। बीजेपी के सांसद दिल्ली में शायद एक दिखें, मगर दुर्भाग्य देखिए ये मणिपुर में बंटे हुए हैं। सबसे बड़ा सवाल है कि नागरिक-प्रशासन शांति बहाली में विफल रहा है, तो मणिपुर को कुछ महीनों के लिए संपूर्ण रूप से सेना के हवाले क्यों नहीं कर देते? यह उस सिंड्रोम से बाहर नहीं निकल पा रहे कि शांति स्थापना का श्रेय प्रतिरक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को क्यों दें?

संसद में प्रतिपक्ष ने मणिपुर के हवाले से प्रधानमंत्री मोदी से जो सवाल पूछा था, क्या पीएम मोदी उसका उत्तर दे पाये? जवाब नहीं में है। सवाल तीन थे, जिसे कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने पूछा था। पहला, मणिपुर में हिंसा भड़कने के तीन महीने बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर क्यों नहीं गए? दूसरा, मणिपुर पर बोलने के लिए प्रधानमंत्री को 80 दिन क्यों लगे? और तीसरा, प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को बर्खास्त क्यों नहीं किया?

राजनीति का साधारण ज्ञान रखने वाले इस देश के नागरिक तक को पता था कि अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में गिर जाना है। सीधी सी बात थी मणिपुर पर मोदी का मौन व्रत तुड़वाना था। सामूहिक बलात्कार, नरसंहार पर बेहिस-बेग़ैरत सरकार को संसद के ज़रिये एक्सपोज करना था, तो अविश्वास प्रस्ताव ही एक रास्ता बचा था, जिसपर व्यापक बहस होती। लेकिन हुआ क्या? एक ऊंट की शादी हो रही थी। शादी में गधे गीत गा रहे थे। गधों ने ऊंट के रूप की बड़ाई करते हुए कहा, 'अहो रूपम' अर्थात, 'आप क्या लग रहे हैं!' ऊंट ने भी शिष्टाचार धर्म का पालन करते हुए कहा, 'अहो ध्वनि' अर्थात 'क्या आवाज है आपकी!'

pushpr1@rediffmail.com

बीता सप्ताह

5 अगस्त

- राहुल गांधी के मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दो साल की सजा पर रोक लगाई।
- छत्तीसगढ़ के प्रथम मुख्य न्यायाधीश डब्ल्यू शिशांक का इम्फाल में निधन हो गया।
- एक अप्रत्याशित घटनाक्रम में बाम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ के जज जस्टिस रोहित बी देव ने खुली अदालत में अपना इस्तीफा दिया।
- नाइजर के राष्ट्रपति ने मोहम्मद बैजम ने बताया कि उनको सेना ने बंधक बना लिया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हस्तक्षेप की अपील की है।

6 अगस्त

- पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तोशाखाना मामले में इस्लामाबाद ट्रायल कोर्ट की सजा सुनाई।
- युवा भारतीय तीरंदाज अदिति और ज्योति, सुरेखा वेन्नम ने विश्व तीरंदाजी में स्वर्ण व कांस्य पदक हासिल किए।
- आगरा की विशेष अदालत ने सांसद रामशंकर कठेरिया को मारपीट, बलवा मामले में दो साल की सजा सुनाई।
- कंबोडिया में संसदीय चुनावों में सत्तारूढ़ पार्टी कंबोडिया पिपुल्स पार्टी सीपीपी जीती।

7 अगस्त

- राज्यसभा दिल्ली सेवा बिल विधेयक पेश किया गया।
- क्रांतिकारी गीतकार एवं नक्सली समर्थक गुम्मदी विट्ठल का निधन हो गया।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने नायब तहसीलदार पद को राजपत्रित अधिकारी घोषित किया।
- अमरनाथ यात्रा का रिकार्ड टूटा करीब 4 लाख 17 हजार श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

8 अगस्त

- मोदी सरनेम मामले में सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा पर रोक लगा दी।
- राज्यसभा में दिल्ली सेवा बिल पास हुआ।
- मणिपुर हिंसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तीन सदस्यों की समिति बनाई।
- हरियाणा के नूंह में सरकार द्वारा उपद्रवियों के घर पर चलाए जा बुलडोजर पर रोक लगाई।

9 अगस्त

- सुभाषचंद्र बोस के भतीजे अर्धेन्दु बोस का मुंबई में हृदयाघात से निधन हो गया।
- बलूचिस्तान के पंतपुर प्रांत में बम विस्फोट से सात लोगों की मौत हो गई।
- रूस ने यूक्रेन के 22 युद्धबंदियों को रिहा किया।
- श्रीलंका में डेंगू के 58 हजार से अधिक मामले पाए गए।

10 अगस्त

- संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर राहुल गांधी बोले मणिपुर में भारत माता की हत्या हुई है।
- आयुष्मान भारत योजना में कैग ने खुलासा किया कि एक ही मोबाइल नंबर से लाखों लोगों का पंजीयन हुआ।
- भारत का चंद्रयान मिशन-3 चंद्रमा के करीब पहुंच कर कक्षा बदलने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरा किया।
- पाकिस्तान चुनाव आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पांच साल के लिए अयोग्य घोषित किया।

11 अगस्त

- संसद में मोदी सरकार के खिलाफ विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव गिरा।
- चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति का बिल राज्यसभा में पेश किया गया।
- आरबीआई ने रेपो दर में नहीं किया बदलाव। जीडीपी विकास दर 6.5 फीसदी रहने का अनुमान।
- भारत नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक ने रिपोर्ट दी कि रेलवे ने यात्री ट्रेनों से अधिक कमाई में की खर्च।

नई नीतियों से पर्यावरण और पारिस्थितिकी को नुकसान

■ पी.सुधीर

लोगों या पर्यावरण की परवाह किये बिना देश के प्राकृतिक संसाधनों को निजी पूंजी के शोषण के लिए खोलने की अपनी घोषित नीति को जारी रखते हुए, मोदी सरकार ने संसद में दो कानून लाये हैं जिनके गंभीर परिणाम होंगे। एक वन (संरक्षण) अधिनियम (एफसीए) में संशोधन और दूसरा खान और खनिज (विकास और विनियमन) (एमएमडीआर) अधिनियम में संशोधन करना है।

1980 में पारित, एफसीए में वनों के रूप में नामित भूमि के मनमाने ढंग से आरक्षण को रोकने के लिए सख्त प्रावधान थे। इसका उद्देश्य वनों को अंधाधुंध कटाई से बचाना था। आदिवासी समुदायों को भूमि के अधिकार देने और उन्हें बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए, बाद में 2006 में, अनुसूचित जनजातियों और अन्य पारंपरिक वन निवासियों (वन अधिकारों की मान्यता अधिनियम), जिसे एफआरए के रूप में जाना जाता है, के माध्यम से कुछ छूट शामिल की गई।

मोदी सरकार द्वारा पेश किये गये नये विधेयक में वनों की परिभाषा को कमजोर करने और सड़कों, रेलवे लाइनों, सुरक्षा बुनियादी ढांचे, रक्षा शिविरों, वायरलेस स्टेशनों, पुलों के निर्माण के लिए छूट प्रदान करके मौजूदा कानून की संपूर्ण नियामक संरचना को कमजोर करने का उपाय किया गया है। खाइयों, पाइप लाइनों और यहां तक कि चिड़ियाघरों, सफारी और पर्यावरण-पर्यटन सुविधाओं के लिए भी यह लागू होगा।

> **देश की खनिज संपदा का एक बड़ा हिस्सा वन क्षेत्रों में स्थित है। इन बदले हुए कानूनों के साथ, कोई भी कॉर्पोरेट निकाय वन क्षेत्र या क्षेत्र में रहने वाले लोगों की परवाह किये बिना पूर्ण पैमाने पर विनाशकारी अन्वेषण शुरू कर सकता है। इस पहलू में, दो संशोधित कानूनों - एफसीए और एमएमडीआर- पर सरसरी नजर डालने मात्र से यह स्पष्ट हो जाता है। इसके अलावा, कुछ निर्दिष्ट मामलों को छोड़कर, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा निपटाया जाता था, खनन अधिकारों की नीलामी आमतौर पर राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में थी।**

यह 1996 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित वनों की अवधारणा को फिर से परिभाषित करता है, जिसके तहत उन क्षेत्रों को वन के रूप में परिभाषित नहीं किया गया था जिन्हें 'मानित वन' माना जाता था। यह विधेयक ग्राम सभाओं और अन्य निगरानी समितियों से अनिवार्य सहमति के एफआरए प्रावधानों को खत्म कर देता है, जिससे आदिवासी समुदाय अपनी भूमि के अधिग्रहण के खिलाफ पूरी तरह से असहाय हो जाते हैं। इससे एक ही झटके में न केवल जंगल विनाश के लिए खुल जायेंगे बल्कि उनके निवासी विस्थापित हो जायेंगे।

यह स्पष्ट है कि यह वन भूमि के अधिग्रहण के लिए कानूनों और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों द्वारा लगाई गई नियामक सीमाओं से छुटकारा पाने के लिए किया जा रहा है। ये दूरगामी परिवर्तन मोदी सरकार द्वारा अपने शासनकाल के एक दशक में पर्यावरण नियामक ढांचे को लगातार खत्म करने की निरंतरता को जारी रखते हैं। पिछले उपायों (या तो संशोधन या यहां तक कि सरकारीआदेशों के रूप में पेश किये गये) में पर्यावरणीय प्रभाव आकलन नियमों, तटीय क्षेत्र नियमों आदि को कमजोर करना शामिल है।

वन संरक्षण अधिनियम संशोधन के साथ, सरकार ने जैविक विविधता अधिनियम में संशोधन भी इसी तरह से पारित कराया। यह परिवर्तन अधिनियम के तहत अपराधों को कम कर देगा, और आयुष चिकित्सकों को कानून से छूट देते हुए 'संहिताबद्ध पारंपरिक ज्ञान' की परिभाषा को धुंधला कर देगा। यह सब कॉर्पोरेट हितों, विशेषकर फार्मास्युटिकल संस्थाओं द्वारा संचालित वनस्पतियों और जीवों के बेलगाम निष्कर्षण का रास्ता खोल देगा।

इस मानसून सत्र में संसद द्वारा पारित दूसरा संशोधन कानून खानों और खनिजों के विनियमन को कमजोर और बदल देता है। मूल अधिनियम के तहत, खनिजों की खोज में कड़ी शर्तों को छोड़कर खुदाई और ड्रिलिंग जैसी विनाशकारी गतिविधियों पर रोक लगा दी गई थी। हालांकि, संशोधन के बाद, प्रारंभिक सर्वेक्षण प्रक्रिया के दौरान गड्ढे, ट्रेंचिंग, ड्रिलिंग और उपरीसतह उत्खनन की अनुमति दी गई है। वन क्षेत्रों में इस प्रकृति की अन्वेषण परियोजनाएं शुरू करने के लिए अब अनिवार्य वानिकी मंजूरी की आवश्यकता नहीं होगी।

जैसा कि सर्वविदित है, देश की खनिज संपदा का एक बड़ा हिस्सा वन क्षेत्रों में स्थित है। इन बदले हुए कानूनों के साथ, कोई भी कॉर्पोरेट निकाय वन क्षेत्र या क्षेत्र में रहने वाले लोगों की परवाह किये बिना पूर्ण पैमाने पर विनाशकारी अन्वेषण शुरू कर सकता है। इस पहलू में, दो संशोधित कानूनों – एफसीए और एमएमडीआर- पर सरसरी नजर डालने मात्र से यह स्पष्ट हो जाता है।

इसके अलावा, कुछ निर्दिष्ट मामलों को छोड़कर, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा निपटाया जाता था, खनन अधिकारों की नीलामी आमतौर पर राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में थी। लेकिन संशोधित कानून ने लिथियम, कोबाल्ट, निकेल, पोटाश, टिन और फॉस्फेट जैसे रणनीतिक खनिजों के अधिकारों को केंद्रीकृत कर दिया है।

इसके अतिरिक्त, नया कानून केंद्र सरकार को सोना, चांदी, तांबा आदि सहित 29 खनिजों के लिए विशेष अन्वेषण लाइसेंस जारी करने का अधिकार देता है। छह धातुओं- लिथियम, बेरिलियम, नाइओबियम, टाइटेनियम, टैंटलम और ज़िरकोनियम – को प्रतिबंधित से हटा दिया गया है।

'परमाणु खनिज' श्रेणी सूची, निजी संस्थाओं को उनके लिए खनन और अन्वेषण करने की अनुमति देती है। नये एमएमडीआर प्रावधानों में खनिजों की औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) की गणना से विभिन्न शुल्कों और लेवी (पूर्व खदान मूल्य) को भी बाहर रखा गया है।

इन सभी परिवर्तनों का उद्देश्य निजी निवेश को आकर्षित करना और प्राकृतिक संसाधनों के लाभदायक दोहन को सुविधाजनक बनाना है, जिसमें लिथियम जैसी धातुएं भी शामिल हैं जिनकी इन दिनों बहुत मांग है।

मोदी सरकार का नग्न कॉर्पोरेट समर्थक रुख उसकी सभी नीतियों में व्याप्त है- कर में कटौती और रियायतें देने से लेकर मुनाफा बढ़ाने में मदद करने के लिए सुरक्षात्मक श्रम कानूनों को कमजोर करने तक, सार्वजनिक क्षेत्र की संपत्तियों और बुनियादी ढांचे को निजी संस्थाओं को सौंपने से लेकर कोयला खनन जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को खोलने तक। अभ्रक, ऊर्जा और यहां तक कि घरेलू और विदेशी दोनों निजी पूंजी की रक्षा तक। इसी बड़े ढांचे में पर्यावरण कानूनों और नियमों में किये गये लापरवाह बदलावों को देखा जाना चाहिए। जहां एक ओर सरकार पर्यावरण की रक्षा और जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई के लिए बड़ी चिंता का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर वास्तव में वह अपने लोगों की कीमत पर देश को और अधिक पर्यावरणीय विनाश की ओर ले जा रही है।

मणिपुर के राहत शिविरों में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभाव

■ डॉ.आनंद जकरिया व डॉ. रमानी अटकुरी

यह लेख मणिपुर में 100 से अधिक दिनों से जारी मानवीय संकट के समय चिकित्सा सुविधाओं की कमी की ओर पर आम जनता और चिकित्सा समुदाय का ध्यान तत्काल आकर्षित करने के लिए लिखा जा रहा है जो मणिपुर में काम कर रहे स्वास्थ्य पेशेवरों और स्वास्थ्य स्वयंसेवकों से प्राप्त आरंभिक सूचनाओं और गैर-सरकारी संगठनों की रिपोर्टों के आधार पर लिखा गया है। वर्तमान स्वास्थ्य स्थिति, स्वास्थ्य निहितार्थ और इसे सुधारने के लिए क्या किया जाना चाहिए- इस पर संक्षेप में प्रकाश डालना इसका उद्देश्य है।

मणिपुर में हिंसा, आगजनी तथा हत्याओं के परिणामस्वरूप घाटी और पहाड़ी दोनों में अस्थायी आश्रयों में बड़ी संख्या में विस्थापित लोग हैं। स्कूल, छात्रावास, गोदाम, पूजा स्थल या सामुदायिक हॉल जैसी जगहें इन लोगों का आश्रय स्थल बने हुए हैं। स्थानीय लोग और नागरिक समाज संगठन अपनी क्षमता के अनुसार विस्थापितों को राहत प्रदान कर रहे हैं लेकिन यह प्रभावितों की जरूरतों को पूरा करने में अपर्याप्त है। प्रभावित कई लोगों ने राज्य छोड़ दिया है और पड़ोसी राज्यों (नगालैंड, असम, मिजोरम आदि) या उनके परिवार या रिश्तेदार अगर हैं तो नई दिल्ली और बेंगलुरु जैसे दूर-दराज के शहरों में चले गए हैं।

मणिपुर में चल रहे संघर्ष के कारण अब घाटी और पहाड़ियों के बीच एक अनौपचारिक क्षेत्रीय विभाजन है जिसमें दोनों क्षेत्रों के बीच लोगों, सामानों और वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित है। ये बातें सभी को मालूम है लेकिन डर है कि संकट की सीमा और पैमाने का पूरा अंदाज किसी को नहीं है।

अस्थिर और अंशात मणिपुर में इस समय 70 हजार से अधिक लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हैं, 142 व्यक्तियों के मारे जाने की सूचना है जबकि 6,000 से अधिक घायल हुए हैं। भारत में मानवीय एजेंसियों के राष्ट्रीय गठबंधन स्फीयर इंडिया के अनुसार, इन विस्थापितों ने मणिपुर के 10 जिलों में स्थित 253 राहत शिविरों में शरण ले रखी है। यह रिपोर्ट अंतर-एजेंसी समन्वय समिति (राहत में शामिल एजेंसियां) की बैठकों और यूनाइटेड रिस्पांस स्ट्रैटेजी (यूआरएस) मैट्रिक्स का उपयोग कर 100 से अधिक स्थानीय संगठनों की प्रतिक्रिया के आधार पर बनाई गई है।

मणिपुर में कार्यरत या वहां का दौरा कर चुके डॉक्टरों के अनुसार, शिविरों में साफ-सफाई की स्थिति गंभीर है खासकर बुजुर्ग और कमजोर लोगों के लिए। वहां भीड़-भाड़ है और स्वच्छता नहीं है। प्लास्टिक के बड़े टैंकों में पानी संग्रहित किया जाता है जो बाहर एक नल या बोरवेल से भरा जाता है। पानी कीटाणुरहित नहीं किया जाता है। अपशिष्ट जल की निकासी की व्यवस्था भी अपर्याप्त है। मानसून की शुरुआत होने के साथ ही स्वच्छता और जल निकासी बदतर हो गयी है। ऐसी भीड़-भाड़ वाली स्थिति में पर्याप्त सुविधा न होने के कारण बीमारी के प्रकोप का खतरा है। कुछ विस्थापित व्यक्तियों को मच्छरदानियां उपलब्ध कराई गई हैं। विस्थापितों को भोजन के रुप में सुबह-शाम मुख्य रूप से दाल और चावल दिया जाता है। कभी-कभी बहुत कम मात्रा में सब्जियां या मांस दिया जाता है। छोटे बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं व बुजुर्गों की देखभाल के लिए न्यूनतम सुविधाएं उपलब्ध हैं। महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व देखभाल तथा नियमित टीकाकरण सेवाएं बाधित हो गई हैं। एंटी-हाइपरटेंसिव या एंटी-डायबिटिक दवाओं की बहुत कम आपूर्ति है। बहुत कम सुविधाओं वाले इन शिविरों में प्रसव कराए जा रहे हैं। गंभीर रूप से बीमार रोगियों को अस्पताल ले जाना मुश्किल है। राहत शिविरों में ऐसे कई लोग हैं जिन्हें नशीली दवाओं की लत है और जिन्हें देखभाल और पुनर्वास सेवाओं की आवश्यकता है। विकलांग लोगों के लिए कोई सुविधा नहीं है। शिविरों में रह रहे लोगों के पास कोई काम नहीं है इस वजह से लोगों को किसी भी तरह बाहर से दवा खरीदने के लिए पैसा नहीं मिल सकता। शिविरों में रहने वाले और विशेष रूप से संघर्ष क्षेत्रों के रोगियों को अस्पताल पहुंचने में दिक्कत होती है।

रेफरल स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ ही शैक्षिक सुविधाएं घाटी में स्थित हैं और इसलिए हाल-फिलहाल पहाड़ियों में बने शिविरों में रहने वाले लोगों के लिए यह सुविधा दुर्गम हैं। हालांकि पहाड़ी क्षेत्रों में अन्य सार्वजनिक स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे भी मौजूद हैं लेकिन वहां घाटी की तुलना में कर्मचारियों के खाली पदों की संख्या बहुत अधिक है। स्वास्थ्य सुविधाओं में विशेषज्ञों, दवाओं और उपभोक्ता सामग्रियों की भारी कमी है। मौजूदा संघर्ष ने पहले से ही कमजोर स्वास्थ्य प्रणाली की समस्या को और बढ़ा दिया है।

अन्य राज्यों की तुलना में मणिपुर के स्वास्थ्य संकेतक, शिशु मृत्यु दर, मातृ मृत्यु दर और 5 वर्ष से कम आयु के कुपोषण के अखिल भारतीय औसत (एसआरएस 2020) से बेहतर हैं। यदि राज्य में अशांति का वर्तमान माहौल जारी रहता है तो इनमें से कुछ स्वास्थ्य संकेतक खराब हो सकते हैं।

मणिपुर के नागरिक अपने परिवार के सदस्यों की मृत्यु के साथ अपनी संपत्ति और आजीविका के नुकसान से भी दुखी हैं। भीड़भाड़ वाले शिविरों में तीन महीने से रहना तनावपूर्ण है। दोनों समुदायों में एक-दूसरे के खिलाफ गुस्सा और नाराजगी है। विस्थापन और कभी-कभी माता-पिता या भाई-बहन की मौत से बच्चे तनावग्रस्त और सदमे में हैं। अनिश्चित भविष्य और घर वापसी की अनिश्चितता ने तनाव और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को और बढ़ा दिया है। संघर्ष से कृषि गतिविधियां प्रभावित हुई हैं क्योंकि लोग बचाव के लिए अपनी जमीनें छोड़कर भाग हैं। स्कूली बच्चे, कॉलेज के छात्र और पेशेवर पाठ्यक्रम करने वाले लोग अपनी पढ़ाई फिर से शुरू नहीं कर पा रहे हैं। हमलों के डर से कुकी छात्र घाटी के अपने कॉलेजों में वापस नहीं जा सकते। उन्हें अपना भविष्य अनिश्चित लगता है।

मणिपुर का मानवीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट असाधारण है। दो समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष के कारण जान-माल का नुकसान हो रहा है। बड़े पैमाने पर विस्थापन हो रहा है। इन कारणों से स्वास्थ्य प्रणाली पंगु हो रही है और इसके अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रतिकूल परिणाम होंगे।

> **मणिपुर का मानवीय और सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट असाधारण है। दो समुदायों के बीच हिंसक संघर्ष के कारण जान-माल का नुकसान हो रहा है। बड़े पैमाने पर विस्थापन हो रहा है। इन कारणों से स्वास्थ्य प्रणाली पंगु हो रही है और इसके अल्पकालिक और दीर्घकालिक प्रतिकूल परिणाम होंगे। सरकार सेवाएं प्रदान करने की कोशिश कर रही है।**

सरकार सेवाएं प्रदान करने की कोशिश कर रही है लेकिन निरंतर हिंसा और लोगों के लगातार विस्थापन को देखते हुए व्यापक चिकित्सा और सार्वजनिक स्वास्थ्य समुदाय के लिए इन सेवाओं की व्यवस्था और पूरा करना महत्वपूर्ण है।

तत्काल स्वास्थ्य आवश्यकताएं चिकित्सा आपूर्ति के साथ-साथ वहां काम करने वाले कर्मचारियों के लिए भी जरूरी है। वहां अभी जिन बातों की आवश्यकता है, उनमें प्रमुख हैं- गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारी से पीड़ित लोगों को वरीयता के साथ प्राथमिक देखभाल प्रदान करने के लिए चिकित्सा पेशेवरों को स्वयंसेवा करनी चाहिए, ऐसे स्वयंसेवक वहां तैनात हों जो दु:ख और सदमे की स्थिति से उबरने के लिए परामर्श प्रदान कर सकते हैं या फिर इसे प्रदान करने के लिए स्थानीय लोगों को प्रशिक्षित कर सकते हैं, स्थानीय स्वयंसेवकों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य प्रशिक्षण जिससे वे छोटी बीमारियों का इलाज करने, प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने और रोग निगरानी कर सकें और इलाज के लिए स्वास्थ्य किट का प्रावधान हो, दवाएं, आपूर्ति आदि।

इसमें संदेह नहीं कि दोनों समुदायों के साथ विश्वास बहाली के उपायों को शुरू करके यथाशीघ्र शांति बहाली सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सरकार को बिना किसी भेदभाव के राहत और पुनर्वास सुनिश्चित करना चाहिए।

निम्नलिखित प्राथमिकताओं की पहचान करते हुए उम्मीद करनी चाहिए कि ये प्रथमिकताएं पूरी की जानी चाहिए : सरकार उचित पोषण, सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता के प्रावधान सहित सभी शिविरों को चलाने की पूरी जिम्मेदारी ले, सभी शिविरों में स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करें, ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को मजबूत बनाना, जिन लोगों ने अपने पहचान पत्र खो दिए हैं उन लोगों के पहचान दस्तावेजों को बहाल करने की आवश्यकता है, महिलाओं की सुरक्षा, यौन उत्पीड़न की रोकथाम और यौन हिंसा के मामले में त्वरित कार्रवाई करना, स्वास्थ्य कर्मियों और चिकित्सा आपूर्ति के लिए सुरक्षित मार्ग उपलब्ध कराना और रोगियों और सुविधाओं दोनों तक पहुंचने की अनुमति दी जानी चाहिए, चिकित्सा, नर्सिंग और स्वास्थ्य विज्ञान से संबद्ध छात्रों को राज्य के भीतर या बाहर अपनी पढ़ाई फिर से शुरू करने में सक्षम बनाना, प्रभावित व्यक्तियों का यथाशीघ्र पुनर्वास आदि।

मणिपुर में चल रहे संघर्ष का समाधान केवल निरंतर राजनीतिक प्रयास और अंतर-सामुदायिक सुलह के माध्यम से ही हो सकता है लेकिन यह जरूरी है कि चिकित्सा बिरादरी के सदस्य होने और भारतीय नागरिकों के रूप में स्थायी शांति स्थापित होने तक मणिपुर के लोगों की पीड़ा कम करने के लिए काम करें।

(डॉ. जकरिया, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर में मेडिसिन के प्रोफेसर हैं। डॉ. अटकुरी मध्य भारत में आदिवासी और ग्रामीण समुदायों के लिए कार्यरत हैं। सिंडिकेट : दी बिलियन प्रेस)

सागर में संत रविदास मंदिर निर्माण के अवसर पर विशेष

संत रविदास की वाणी, विरासत को मूर्तरूप देने का सार्थक प्रयास

• प्रलय श्रीवास्तव

संत शिरोमणि उपाधि प्राप्त गुरु संत रविदास को लोग रैदास के नाम से भी जानते हैं। संवत 1377, काशी में माघ पूर्णिमा के दिन जन्मे संत रैदास की रचनाएँ आध्यात्मिक एवं सामाजिक रूप से काफी प्रगतिशील रही। रैदासजी ने अपने आचरण तथा व्यवहार से प्रमाणित किया कि मनुष्य जन्म से नहीं अपने कर्मों से महान बनता है।

रैदास जन्म के कारनै होत न कोई नीच,
नर कूं नीच करि डारि है, ओछे करम की कीच।।

रैदास जी ने आंतरिक सत्य की खोज करके अपने शब्दों एवं कार्यों के माध्यम से अनगिनत लोगों को समस्त जीवों के प्रति सेवा व करुणा का भाव रखने हेतु प्रेरित किया। संत रामानन्द के शिष्य रैदास जी ने रविदासी- रैदासी पंथ की स्थापना की और लोगों को आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। उनके रचे कुछ पद पवित्र ग्रंथ गुरुग्रंथ साहिब में समाविष्ट है। संत रैदास की विरासत आज भारत के कई हिस्सों में सुरक्षित है।

संत रविदास मन्दिर और कला संग्रहालय

मध्यप्रदेश सरकार संत रविदास के सामाजिक परिष्कार, एकता के विचार और लोक- परिमार्जन एवं मानवता की वाणी को रक्षित करने का प्रयास करने जा रही है। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सागर में 8 फरवरी 2023 को संत रविदास के महान कार्यों को जनभावनाओं के अनुरूप आदराजंलि देते हुए बड़तूमा में 100 करोड़ की लागत से संत रविदास मंदिर बनवाने की घोषणा की थी। वास्तव में संत रविदास की वाणी और विरासत को सुरक्षित रखकर नई पीढ़ी तक पहुंचाने हेतु मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की यह पहल एक महान संत के प्रति मध्यप्रदेश सरकार और जन-जन की सच्ची श्रध्दाजंलि है।

सागर, मध्यप्रदेश का सबसे प्राचीन एवं महत्वपूर्ण शहरों में से एक है। भारत के मध्य में स्थित होने से इसे देश का ह्रदय भी कहा जाता है। सागर जिले में निर्मित होने वाले मन्दिर एवं कला संग्रहालय का उद्देश्य कवि व समाज सुधारक संत रविदास सद्कार्यों को आदराजंलि देना एवं उनके जीवन-मूल्य व विरासत सभी को अवगत कराना है। समानता एवं ईश्वर के प्रति समर्पण भाव इस मन्दिर एवं संग्रहालय का केन्द्र बिंदु बनेगा।

संत रविदास मन्दिर एवं कला संग्रहालय परिसर विभिन्न सुविधाओं के साथ देश-विदेश के कई साधक, संशोधक और भक्तों को आकर्षित करेगा। आधुनिक संसाधन, प्रकाश, पेड़-पौधों से परिसर का वातावरण ज्ञान के साथ सुकून का अनुभव भी करायेगा। साथ ही, इस परिसर का निर्माण वस्तु विज्ञान के आधार पर तैयार किया जाएगा।

संत रविदास मन्दिर एवं कला संग्रहालय 101 करोड़ की लागत से 11.21 एकड़ भूमि में आकार लेगा। जिसमें निम्न विविध स्वरूप शामिल रहेंगे:-

मंदिर

इस परियोजना के मध्य में 5500 वर्गफुट में मुख्य मन्दिर आकार लेगा। मन्दिर नागर शैली से बनाया जाएगा। मन्दिर में गर्भगृह, अन्तराल मन्डप तथा अर्धमन्डप का सुंदर निर्माण होगा। मन्दिर केवल पूजा का स्थान न बनकर सांस्कृतिक-आध्यात्मिक संवाद का केन्द्र बनेगा। आगंतुक भारतीय संस्कार व संस्कृति के विषय में विस्तार से जान पायेंगे। आध्यात्मिक विश्वासों पर चिंतन एवं मनन के लिए यह केन्द्र मुख्य आकर्षण बनेगा।

जलकुंड

संत रविदास संग्रहालय (म्यूजियम) के प्रवेश द्वार के सामने बड़ा सा जलकुंड आकार लेने वाला है। सुन्दर नक्काशी और मूर्तियों के साथ इस जलकुंड के आसपास पेड़-पौधों से युक्त रमणियता प्रदान की जायेगी। जल से पवित्रता का अनुभव होता है. इसलिए कुंड के पास विहार करने योग्य विशाल गलियारा बनेगा।

कला संग्रहालय

मन्दिर के आसपास वर्तुलाकार की भूमि पर चार गैलेरी बनेगी, जिसमें, संत रविदास जी के जीवन को विस्तृत रूपएवं आधुनिक संसाधनों की सहायता से प्रस्तुत किया जायेगा। संत रविदास की वाणी, उनके कार्य, सामाजिक योगदान, भक्ति आंदोलन में संत रविदास की भूमिका आदि विषयों को कलात्मक रूप से आधुनिक तकनीकों के साथ दर्शाया जायेगा ।

पुस्तकालय

दस हजार वर्गफुट में पुस्तकालय और संगत सभाखंड आकार लेगा। यहाँ संत रविदास जी की उपलब्धियों और शिक्षाओं को संग्रहित किया जायेगा। संत रविदासजी के कृतित्व के साथ यहाँ आध्यात्मिक, धार्मिक पुस्तकें भी रखी जायेगी। यह पुस्तकालय साहित्य संसाधनों के संग्रहण के रूप में सामने आयेगा। पुस्तकालय में संत रविदास के साथ अन्य महान गुरुओं एवं दार्शनिकों के विचार एवं ओजस्वी, वाणी, प्रवचनों एवं संभाषणों को संग्रहित कर रखा जायेगा। आगंतुक और संत रविदास के अनुयायी इस स्थान पर बैठकर साहित्य का अध्ययन कर सके, ऐसी व्यवस्था उपलब्ध होगी।

संगत सभाखंड

संगत सभाखंड का आकार फूलों की पंखुड़ियों जैसा निर्मित होगा। नवीन एवं आर्कषक रूप के इस विशाल संगत सभाखंड में संत रविदास की वाणी के साथ कई अन्य धार्मिक, आध्यात्मिक, संशोधनलक्षी कार्य होंगे, जैसे व्याख्यान, कार्यशाला, संगोष्ठियाँ। इस स्थान पर आकर लोग अपने विचारों का सरलतम तरीके से आदान-प्रदान कर पायेंगे। संगत सभाखंड सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं संवर्धन का स्त्रोत बनेगा।

भक्त निवास

यहां एक भक्त निवास, 12,500 वर्गफुट में बनेगा। यह क्षेत्र विश्वभर से पधारे साधकों, भक्तों, संशोधक, विद्वानों, यात्रियों की निवास व्यवस्था के लिए बनेगा। आरामदायक एवं रहने की समस्त व्यवस्थाएँ यहाँ उपलब्ध होंगी। एयर कंडीशंड कमरें, साफ बिस्तर, संलग्न बाथरुम वाले पंद्रह कमरे होंगे। साथ ही, पचास व्यक्तियों के लिए छात्रावास की सुविधा भी प्राप्त होगी।

अल्पाहार-गृह

परिसर में पंद्रह हजार वर्गफुट में विशाल अल्पाहार-गृह का निर्माण होगा। डोम की डिजाइन वाले इस अल्पाहार-गृह में नाश्ते एवं विभिन्न बानगियों का भोजन परोसा जाएगा। बैठने के लिए पारंपरिक मेज एवं कुर्सियों के साथ बाहरी बैठक व्यवस्था भी बनाई जायेगी।

गजेबो

अल्पाहार गृह के पास दो बैठने योग्य स्थान (गजेबो) बनेंगे। मुलाकाती इस स्थान का उपयोग बैठने, पढ़ने, नाश्ता करने, विचारों का आदान-प्रदान करने हेतु कर पायेंगे। 1940 वर्गफुट में निर्मित यह क्षेत्र खुला होने के कारण आसपास का प्राकृतिक दृश्य का आनंद लेना सरलतम एवं सुकूनदेह होगा।

संत रविदास मंदिर एवं संग्रहालय के माध्यम से आधुनिक विकास और कलात्मकता के साथ संत शिरोमणि रविदास की शिक्षा एवं दीक्षाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का मध्य प्रदेश सरकार का यह प्रयास निश्चित रूप से सार्थक एवं स्वागत योग्य है। यह आध्यात्मिक स्थान समग्र विश्व की विभिन्न संस्कृति के साधकों के लिए वैचारिक, सार्वभौमिक एवं सर्वस्पर्शी केन्द्र बिंदु बनेगा। साथ ही रहस्यवाद पंथ की गहरी समझ को और विस्तृत एवं व्यापक बनायेगा।

'विंध्य की बेटी: मुहावरों से झलकती ममता' किताब का कल कमलनाथ करेंगे विमोचन

भोपाल, देशबन्धु। 'विंध्य की बेटी: मुहावरों से झलकती ममता' किताब का कल शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ विमोचन करेंगे। यह किताब पूर्व मुख्यमंत्री स्व. अर्जुन सिंह की धर्मपत्नी स्व. श्रीमती सरोज कुमारी ने लिखी है।

पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह की सुपुत्री श्रीमती वीणा सिंह ने पत्रकारों से चर्चा में यह जानकारी दी। जिसमें उन्होंने बताया कि उनकी माताजी श्रीमती सरोज कुमारी ने लंबे परिश्रम के बाद यह पुस्तक तैयार की।

श्रीमती वीणा ने बताया कि प्रदेश और खासकर विंध्य क्षेत्र के मुहावरों और कहावतों को समेट कर स्वर्गीय श्रीमती सरोज कुमारी ने एक अनूठा और अनोखा मुहावरा और कहावत संग्रह तैयार किया। इसे तैयार करने में उन्होंने अपने जीवन के कई महत्वपूर्ण वर्ष खर्च किए और इस तरह से बघेलखंड की संस्कृति और परंपरा का एक रुचिकर और लोक स्वीकृत दस्तावेज तैयार किया। इस दस्तावेज को अर्जुन सिंह सद्भावना फाउंडेशन ने एक पुस्तक के स्वरूप में समाज के सामने प्रस्तुत किया है। श्रीमती वीणा सिंह ने बताया कि उनकी माताजी श्रीमती सरोज कुमारी ने लंबे परिश्रम के बाद यह पुस्तक तैयार की। पत्रकारवार्ता में विधानसभा के पूर्व उपसभापति राजेंद्र सिंह, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह और सैम वर्मा उपस्थित थे। किताब में बघेली भाषा की 151 कहावतों को शामिल किया गया है। इन मुहावरों और कहावतों का स्वरूप इस प्रकार का है कि इन्हें हिंदी साहित्य में उचित स्थान दिया जा सकता है।

धाकड़ और यादव ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की

भोपाल, देशबन्धु। कोलारस क्षेत्र के कद्दावर नेता रघुराज सिंह धाकड़ और चंदेरी के प्रभावशाली बसपा नेता जयपाल सिंह यादव और यदुराज सिंह यादव ने आज बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर ली। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निवास पर आज उन्हें कांग्रेस की सदस्यता प्रदान की गई। श्री धाकड़ के साथ कोलारस के बलभद्र सिंह धाकड़, श्रीपाल जाट, भैयालाल धाकड़, पहलवान धाकड़, राधे धाकड़, सुनील गुर्जर, जगराम दांगी, कबूल सिंह घाकड़, अशोक सिंह धाकड़, अवदेश सिंह धाकड़ छोटू धाकड़, बंटी धाकड़, चेतन धाकड़, सुनील धाकड़, देवेन्द्र धाकड़, रामभरत धाकड़ कामेश धाकड़, श्रीलाल धाकड़, कैलाश धाकड़ सहित सैकड़ों समर्थकों ने भाजपा छोड़ कर कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। कमलनाथ ने श्री धाकड़, श्री यादव और कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण करने वाले सभी नेताओं को कांग्रेस पार्टी का दुपट्टा पहनाकर उनका स्वागत किया उन्होंने कहा कि भाजपा की 18 साल की सरकार की तस्वीर इनके सामने है और अब प्रदेश का हर नागरिक भाजपा से मुक्ति चाहता है। इस दौरान सदस्यता ग्रहण के दौरान पूर्व मंत्री जयवर्धन सिंह, चंद्रप्रभाष शेखर, राजीव सिंह, अशोक सिंह, राजकुमार पटेल, जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुना, शिवपुरी सहित कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला - सागर (म.प्र.)

कमांक/933/ खनिज / 2023 — सागर, दिनांक 07.08.2023

सूचना

(म. प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18-क)

सागर जिले में म.प्र. राजपत्र असाधारण दिनांक 22/01/2021 के पालन में गौण खनिज पत्थर (यांत्रिकी क्रिया द्वारा गिट्टी निर्माण) के ऑन लाइन आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। जिनका विवरण निम्नानुसार है- आवेदन पत्रों का संक्षिप्त विवरण

क्रं	आवेदक का नाम व पता	आवेदन दिनांक	खनिज का नाम	ग्राम एवं तहसील का नाम	खसरा नंबर व रकवा	क्षेत्र का विवरण
1	2	3	4	5	6	7
1	श्री रामानंद सिंह ठाकुर आ. श्री महेन्द्र सिंह ठाकुर निवासी ग्राम देवरी बखत, पोस्ट मुहरखास, देवरी जिला सागर	07.08.2023 नवीकरण	पत्थर (केशर से गिट्टी निर्माण हेतु)	ग्राम केसली तहसील सागर	ख.क्रं. 202 रकवा 1.60 हेक्टयर	शासकीय भूमि

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाईन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला सागर (म.प्र.) में आपत्ति का लेख / कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें।

नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति / दावे पर विचार नही किया जाएगा।

जी-18163/23

प्रभारी अधिकारी
खनिज शाखा जिला - सागर

गुजरात हाईकोर्ट का फैसला पलटा

सुप्रीम कोर्ट ने इकबाल हसन के खिलाफ एफआईआर की रद्द

अहमदाबाद, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने वरिष्ठ वकील इकबाल हसनअली सैयद के खिलाफ एफआईआर को खारिज कर दिया है, जो पहले गुजरात उच्च न्यायालय में सहायक सॉलिसिटर-जनरल के रूप में कार्यरत थे।

इस फैसले से एक साल से अधिक समय से चली आ रही कानूनी लड़ाई का अंत हो गया है, इसमें सैयद और पांच अन्य लोगों पर चोट पहुंचाने और आपराधिक धमकी देने से लेकर जबरन वसूली और गलत तरीके से कैद करने जैसे अपराधों का आरोप लगाया गया था। ये आरोप अहमदाबाद स्थित व्यवसायी विरल शाह की शिकायत के बाद लगाए गए थे। यह मामला शाह से जुड़ी एक घटना से जुड़ा है, जिन्होंने आरोप लगाया था कि उन्हें एक व्यावसायिक विवाद के संबंध में उनके निजी सहायक ने पूर्व मुख्यमंत्री शंकर सिंह वाघेला के गांधीनगर आवास पर बुलाया था। व्यवसायी ने दावा किया कि उनकी कार में भागने से पहले वाघेला के आवास पर उन्हें धमकी दी गई, हिरासत में लिया गया और उन पर हमला किया गया। मामले की निगरानी जस्टिस एएस बोपन्ना और प्रशांत कुमार मिश्रा की खंडपीठ ने की। उन्होंने आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 482 के तहत गुजरात उच्च न्यायालय द्वारा उनकी याचिका को रद्द करने से इनकार करने के खिलाफ सैयद की अपील की अनुमति दी। सुप्रीम कोर्ट का फैसला शिकायतकर्ता के एक हलफनामे के बाद आया, जिसमें उसने सैयद का नाम लेने और 'गलत धारणा' के कारण उसकी संलिप्तता का आरोप लगाने की बात स्वीकार की और उसके खिलाफ शिकायत पर मुकदमा चलाने में रुचि की कमी व्यक्त की। अदालत के आदेश में कहा गया है, हमारी राय है कि वर्तमान तथ्यों और परिस्थितियों में, अपीलकर्ता के खिलाफ एफआईआर उचित नहीं होगी और आगे की सभी कार्रवाई अनावश्यक होगी। इसलिए, जो प्रार्थना की गई है, उसे स्वीकार किया जाना चाहिए। इसलिए इसमें विवादित आदेश रद्द किया जाता है।' 15 मई, 2022 को गांधीनगर के पेठापुर पुलिस स्टेशन में छह आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इसके बाद, गांधीनगर सत्र अदालत ने उसी महीने सैयद को अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया, और न्यायमूर्ति समीर दवे की अध्यक्षता वाली गुजरात उच्च न्यायालय की एकल-न्यायाधीश पीठ ने बाद में उनकी याचिका को अनुमति देने से इनकार कर दिया।

अमरकंटक में बनेगा मां नर्मदा दिव्यलोक, नये अमरकंटक की होगी बसाहट

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के लाडली बहना सम्मेलन में शामिल होने अनूपपुर आगमन से पूर्व मां नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक को शक्तिधाम कारीडोर के रुप में विकसित करने की उठी मांग को संज्ञान में लेते हुए दौरे के दूसरे दिन गुरूवार को अमरकंटक के मृत्युंजय आश्रम मे भाजपा कार्यकर्ताओं के सम्मेलन मे अमरकंटक को शक्तिधाम कारीडोर बनाने की घोषणा की।

कार्यालय वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, सागर (म.प्र.)

फोन नं. 07582-236278, FAX-07582-236278, E-mail:ccfre.sgr@mp.gov.in

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय वनसंरक्षक, सामाजिक वानिकी वृत्त, सागर के अधीन रोपणी कार्यों एवं निर्माण कार्यों हेतु वर्ष 2023-24 (दिनांक 31.08.2024 अथवा आगामी निविदा होने तक जो भी पश्चातवर्ती होगा) लगने वाली निम्नानुसार रोपणी उपयोग/भण्डार सामग्री के लिये लिये ई-निविदा से संबंधित जानकारी वेबसाइट https://mptendrs.gov.in एवं www.mpforest.gov.in से प्राप्त कर सकते है।

निविदा प्रपत्र का मूल्य राशि रु. 1500/- तथा सत्यांकर की राशि रुपये 150000 (एक लाख पचास हजार रुपये मात्र) है, निविदायें ऑनलाईन ही क्रय की जा सकेगी एवं ऑनलाईन ही प्रस्तुत करने पर मान्य होगी।

अनुमानित मात्रा का विवरण

1. सामग्री क्रय हेतु ई-निविदा की वेबसाइट https://mptendrs.gov.in पर ऑनलाइन पद्धति से प्रस्तुत किया जाना है। सामग्री का विवरण निम्नानुसा है।

निविदा प्रपत्र

सामग्री का नाम	रेत (पौधा तैयारी हेतु)	दोमट मिट्टी (पौधा तैयारी हेतु)	मुरम	वर्मी कम्पोस्ट हेतु कच्चा गोबर	वर्मी कम्पोस्ट हेतु पका गोबर	वर्मी कम्पोस्ट हेतु खाली बोरी 36x22 50 gsm	नीम खली हेतु खाली बोरी 36x22 50 gsm	नीम तेल हेतु नीम बीज सूखी
इकाई	घ.मी.	घ.मी.	घ.मी.	घ.मी.	घ.मी.	नग	नग	क्वि.
मात्रा	4000.00	8000.00	500.00	4000.00	2000.00	15000.00	5000.00	1200.00
स.क्र.	1	2	3	4	5	6	7	8

ब्लेक शीट, मलचिंग शीट 1¼ m x 10½ m Rate per peice 250 micron, Virgin quality	हजारा	चेनलिंक फेंसिंग	हाथ ठेला	वर्मी खाद हेतु केचुआ	ग्रीन नेट 75% शेड	ग्रोथ हार्मोन्स (Triacontanol)
नग	नग	वर्ग मी.	नग	कि.ग्रा.	वर्ग मी.	ली.
3000.00	250.00	2000.00	10.00	500.00	3000.00	500.00
9	10	11	12	13	14	15

03 एच.पी. पनडुब्बी मोटर (सिंचाई हेतु)	05 एच.पी. पनडुब्बी मोटर (सिंचाई हेतु)	03 एच.पी. सम्बर्सिबल पम्प	05 एच.पी. सम्बर्सिबल पम्प	कीटनाशक (Chlorpyriphos 20% EC)	इलेक्ट्रिक कापर वायर		
नग/सेट	नग/सेट	नग/सेट	नग/सेट	ली.	2.5 mm	1.5 mm	1 mm
आवश्यकतानुसार	आवश्यकतानुसार	आवश्यकतानुसार	आवश्यकतानुसार	500.00	आवश्यकतानुसार		
16	17	18	19	20	21	22	23

सामग्री का नाम	सीमेन्ट (मेजर ब्रांड 53 ग्रेड आई.एस. आई. मार्क)	रेत (निर्माण कार्य हेतु नदी की)	गिट्टी 20 mm	गिट्टी 40 mm	गिट्टी 6 mm	लोहा ग्रेड ISI मार्क TMT 6 mm	लोहा ग्रेड ISI मार्क TMT 8 mm	लोहा ग्रेड ISI मार्क TMT 10 mm	लोहा ग्रेड ISI मार्क TMT 12 mm	कवेलू आयरन प्रोफाइल शीट
इकाई	नग	घ.मी.	घ.मी.			कि.ग्रा.	कि.ग्रा.	कि.ग्रा.	कि.ग्रा.	कि.ग्रा.
मात्रा	2000.00	500.00	200.00	100.00	200.00	800.00	1500.00	1000.00	500.00	2000.00
स.क्र.	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33

स्टील पाइप 3"x3"	स्टील पाइप 2"x2"	स्टील पाइप 1½"x1½"	स्टील पाइप 1"x1"	ईंट (भट्टे वाली)	एंगिल आयरन 25X25X3	एंगल आयरन 50X50X5	पेवर ब्लॉक 4" मोटा	रेड स्टोन धोलपुर पत्थर 1" मोटा	रेड स्टोन धोलपुर पत्थर 1½" मोटा
कि.ग्रा.				प्रति हजार	कि.ग्रा.	कि.ग्रा.	वर्ग मी.	वर्ग फीट	
1500.00	2500.00	3000.00	1000.00	4.00 लाख	500.00	1000.00	500	300.00	300.00
34	35	36	37	38	39	40	41	42	43

2. निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का विवरण निम्नानुसार है -

विवरण	दिनांक	समय
Tender Publishing Date and Time	10-08-2023 10.00 AM	निविदा ऑनलाईन प्रस्तुत करने तथा खोलने का समय वेबसाईट https://mptenders.gov.in पर दर्शित है
Document Download Tender Sale Start Date and Time	14-08-2023 10.00 AM	
Bid Submission Start Date and Time	16-08-2023 11.00 AM	
Bid Submission Close Date and Time	31-08-2023 01.00 PM	
Bid Openning Date and Time	02-09-2023 04.00 PM	

जी-18113/23

वनसंरक्षक
सामाजिक वानिकी वृत्त, सागर

कार्यालय नगर पालिक निगम, सागर

क्र./नामा. शा./न.नि./2023/32 — सागर दिनांक 11/08/2023

-:: सूचना ::-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, नगर पालिक निगम सागर सीमान्तर्गत नीचे दिये गये भवन/प्लाटों पर नाम दर्ज करने हेतु आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। अतः इस संबंध में जिन व्यक्तियों को कोई आपत्ति हो तो वे अपनी लिखित आपत्ति सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के अंदर आयुक्त, नगर पालिक निगम के सागर नाम पर प्रस्तुत कर सकते हैं।

क्र.	प्र.क्र.	वार्ड का नाम भवन/प्लाट	किस आधार पर	नाम बेचवार/वसीयतनामा/ दानदाता/वंशानुक्रम	जिस व्यक्ति का नाम दर्ज होना है
1.	601/23-24	विट्ठल नगर	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, खसरा, बी-1	इमरान वल्द अनवर खान	मेहराज पति मुह. हफीज मिश्ती
2.	602/23-24	गांधीचौक	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, टैक्स रसीद	यशोदा पति नाथूराम एवं सोमनाथ पिता नाथूराम सोनी	निधि पति नरेश एवं अल्का पति नीरज सोनी
3.	603/23-24	तिली	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, खसरा, बी-1	सत्यवती पति शम्भूदयाल, अशोक नाबा. शम्भूदयाल वली मां सत्यवती तिवारी, पुष्पलता पति त्रिलोकी, संजय नाबा. पिता त्रिलोकी वली मां पुष्पलता व्यास	प्रदीप, राकेश पिता लक्ष्मीचंद सोधिया
4.	604/23-24	जवाहरगंज	मृत्यु, प्रमाण-पत्र, शपथ पत्र टैक्स रसीद	स्व. चन्द्ररानी पति स्व. रतनलाल केशरवानी	सन्तोष, धीरज पिता स्व. रतनलाल केशरवानी
5.	605/23-24	शिवाजी	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, खसरा, बी-1	शान्तिदेवी पति सुखचैन यादव	मनीष कुमार पिता भोलेनाथ दुबे
6.	606/23-24	पुरव्याऊ	मृत्यु, प्रमाण-पत्र, शपथ पत्र टैक्स रसीद	स्व. ज्ञानीप्रसाद पिता स्व. बाबूलाल रजक	शकुन्तला बेवा ज्ञानीप्रसाद रजक
7.	607/23-24	विट्ठलनगर	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, खसरा, बी-1	इमरान वल्द अनवर खान	जाहिदा बेगम पति अब्दुल जब्बार मुसलमान
8.	608/23-24	शुक्रवारी	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, टैक्स रसीद	पार्वती पुत्री बालमुकुन्द राजपूत	शोभाराम पिता रामप्रसाद विश्वकर्मा
9.	609/23-24	मोतीनगर	मृत्यु, प्रमाण-पत्र, शपथ पत्र टैक्स रसीद	स्व. नन्द किशोर पिता स्व. काशीराम शुक्ला	मीरादेवी बेवा नन्दकिशोर एवं त्रिभुव, मोहन एवं भारती तीनो पिता स्व. नन्दकिशोर शुक्ला
10.	610/23-24	पन्तनगर	रजि. बैनामा, शपथ पत्र, खसरा, बी-1	रविभूषण पिता तखत सिंह ठाकुर	अंकित पिता जवाहर एवं सोनम पति जवाहर भाई

कृते-आयुक्त, नगर पालिक निगम, सागर

विजाग पुलिस ने पवन कल्याण की यात्रा पर लगाया प्रतिबंध

विशाखापत्तनम, एजेंसी। विशाखापत्तनम में पुलिस ने अभिनेता-राजनेता पवन कल्याण की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है, जो गुरुवार शाम को वाराही यात्रा शुरू करने वाले हैं। जन सेना पार्टी (जेएसपी) को हवाई अड्डे से उस होटल तक रैली निकालने की अनुमति नहीं दी जाएगी, जहां वह ठहरेंगे। जेएसपी प्रमुख को हवाई अड्डे से शहर तक पार्टी द्वारा प्रस्तावित मार्ग पर जाने की अनुमति नहीं है।

पुलिस ने उन्हें पोर्ट रोड के माध्यम से वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने का निर्देश दिया है। पवन कल्याण को निर्देश दिया गया है कि वह रोड शो न करें या अपने वाहन से बाहर आकर लोगों का अभिवादन न करें। विशाखापत्तनम हवाई अड्डे पर पहुंचने के बाद, पवन कल्याण सीधे एक होटल जाएंगे जहां वह ठहरेंगे।

मनरेगा : शासकीय कर्मचारी को मजदूर बताकर निकाली मजदूरी

शासकीय राशि का बंदरबांट करके जांच दबाने में जुटे जिम्मेदार

66 दिन काम करने का लिया मेहनताना, कछुआ गति से जांच कर रहा प्रशासन

आंगनबाड़ी सहायिका चार वर्ष से मनरेगा की मजदूर

सरपंच, सचिव सहित उपयंत्री पर कार्यवाही से कतरा रहे अधिकारी

✷ अखंड यादव

बल्देवगढ़, देशबन्धु। जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत मौन का खेरा में निर्माण कार्यों में सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक द्वारा सरकारी कर्मचारी आंगनबाड़ी सहायिका के नाम फर्जी मास्टर रोल जारी करने का मामला विगत दिनों पहले सामने आया था। मामले को लेकर दैनिक देशबंधु ने 13 दिसंबर, 23 दिसंबर 2022 एवं 22 जनवरी 2023 के अंक में खबर को प्रमुखता से प्रकाशित कर इस फर्जीवाड़े एवं फर्जी मास्टर जारी कर सरपंच, सचिव द्वारा शासन से आई लाखों रुपए की राशि का बंदरबांट करने के मामले को उजागर किया था। जिस पर उच्च अधिकारियों ने जांच कर कार्यवाही करने की बात कही गई थी, लेकिन ग्राम पंचायत मोनै का खेरा में हुए फर्जीवाड़े की जानकारी जिला पंचायत एवं जनपद पंचायत के अधिकारियों होने के बावजूद भी इन सरपंच, सचिव पर कार्यवाही नहीं की गई है। जांच में गोलमाल कर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदेश एवं केन्द्र सरकार भले लाख प्रयास कर ले कि रोजगार गारंटी योजना की राशि सीधे ग्रामीण मजदूरों के खाते में पहुंचे परंतु अधिकारी ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव अपनी कमाई के लिये कोई रास्ता निकाल ही लेते हैं। यही कारण है कि मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार कर सरपंच, सचिव साल भर में अघोषित करोड़ों की संपत्ति अर्जित कर लेते हैं। दरअसल ग्राम पंचायत मोनै का खेरा की आंगनबाड़ी केंद्र डारगुवा जागीर में पदस्थ आंगनबाड़ी सहायिका मीना अहिरवार ने ड्यूटी पर रहते समय महात्मा गांधी रोजगार गारंटी मनरेगा में सन 2018, 2020, 2021, 2022 में लगभग 66 दिन काम किया है। बाकायदे से मजदूरी भी इनके खाते में पहुंची है और उसी समय की शासन से वेतन भी मिली है। इन्होंने प्रधानमंत्री आवास, पंचायत भवन निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्यों पर मजदूरी करते हुए बैंक खाता से अपनी मजदूरी भी निकाल ली है। आंगनबाड़ी सहायिका को लगभग 12025 रुपए की मजदूरी का भुगतान हुआ है। मनरेगा में मजदूरों के नाम पर सरकारी कर्मचारी के नाम पर मास्टर रोल जारी कर आपस में इस राशि का बंदरबांट किया हैं। वैसे भी यह मनरेगा योजना जुगाड़ में चलती है। इसी जुगाड़ से देश प्रदेश की सरकारें भी चलती है तो अधिकारी कर्मचारी क्यों न जुगाड़ से शासकीय योजनाओं को चलाना पड़े। जब ऊपर वाले अधिकारी ही जुगाड़ में रहते है तो नीचे वालों अधिकारियों को जुगाड़ करना लाजमी है।

सरपंच, सचिव, उपयंत्री और सहायक यंत्री का गठजोड़ : मनरेगा में भ्रष्टाचार के लिये पंचायत सरपंच, सचिव व उपयंत्री एवं सहायक यंत्री मिलकर इसमें कोई नया तरीका निकालकर मनरेगा की राशि को आसानी से निकालकर जमकर मलाई खा रहे हैं। गांव में विकास कार्य के लिए दी जाने वाली राशि को महात्मा गांधी रोजगार गारंटी मनरेगा के तहत बेरोजगार मजदूरों को 100 दिन तक काम देकर भुगतान किया जाता है। उन मजदूरों का मजदूरी का भुगतान बैंक खाते में किया जाता है। उसके लिए ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक प्रति सप्ताह मास्टर रोल और जॉब कार्ड में सभी मजदूरों का नाम हाजरी भरकर ऑनलाइन करते हैं। इसके बाद उनके नाम मजदूरी का भुगतान होता है। ग्राम पंचायत मोनै का खेरा को मामला कुछ और है, यहां सरकारी कर्मचारी के नाम से भी फर्जी हाजरी लगाकर राशि आहरण की गई है।

अबैध हथियार बनाने की फैक्ट्री पर पुलिस की छापामार कार्यवाही

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन प्रमोद वर्मा, पुलिस उपमहानिरीक्षक छतरपुर रेंज ललित शाक्यवार एवं पुलिस अधीक्षक टीकमगढ रोहित काशवानी द्वारा अवैध शस्त्र धारियो के बिरूद्ध कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ सीताराम सासत्या के मार्गदर्शन मे थाना कुड़ीला पुलिस द्वारा दिनांक 10/08/23 को मुखबिर की सूचना पर आरोपी धर्मेन्द्र पिता आनन्दी विश्वकर्मा निवासी ग्राम चन्देरी, नरेश पिता घनश्याम तोमर निवासी ईशानगर जिला छतरपुर एवं दिनेश (परिवर्तित नाम) को आरोपी धर्मेन्द्र विश्वकर्मा के घर पर रैड कार्यवाही की गई। इस रैड कार्यवाही मे 315 बोर के तीन देशी कट्टा व तीन 315 बोर के जिन्दा कारतूस, एक 12 बोर का देशी कट्टा एवं कट्टा बनाने के औजार से कट्टा बनाते हुये पाये जाने पर से आरोपीगण से उक्त कट्टा कारतूस व कट्टा बनाने के औजार जप्त कर आरोपियो के बिरूद्ध अपराध धारा 25 (1-एए), 25/27 आर्म्स एक्ट का कायम कर आरोपियो को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा गया। उपरोक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी कुड़ीला उप निरीक्षक ब्रजेन्द्र सिंह घोषी, सहायक उप निरीक्षक शिवनारायण सिंह सिसौदिया, सन्तोष तिलगाम, प्रधान आरक्षक 473 ऊदल सिंह, आरक्षक 321 मोहन, 625 जितेन्द्र, 159 देशराज, 565 लक्ष्मण, आरक्षक पुष्पेन्द्र की सराहनीय भूमिका रही।

हज यात्रियों को शुभकामनाएं देकर किया विदा

टीकमगढ़, देशबन्धु। हज की यात्रा करने के लिए यात्रियों का जत्था पवित्र शहर मक्का के लिए निकलना शुरू हो गया है। इसी कड़ी में शुक्रवार को टीकमगढ़ जिले के दिगौड़ा से भी हज यात्री निकले। जिन्हें विदा करने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शुक्रवार की शाम को नगर से बशीर अली शाह अपनी पत्नी साजिदा बानो व पुत्र वसीम अख्तर के साथ हज यात्रा पर रवाना हुए। इस अवसर पर यात्रा के लिए जाते समय बड़ी संख्या में लोग मुलाकात के लिए उनके घर पहुंचे और उनकी हज यात्रा के लिए दुआ की गई।

इस दौरान मुन्नाअली शाह, बद्री प्रसाद दुबे, जगदीश सोनी, इकबाल खान, अशोक केवट, गोलू नामदेव, राजा खानए, मुबीन खान सहित कई ग्रामवासियों व क्षेत्रवासियों ने हज यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं गई। हज एक इस्लामी तीर्थयात्रा है। ये इस्लाम के पांच मूल स्तंभ में से एक है। यह एक धार्मिक कर्तव्य है जिसे अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार पूरा करना हर उस मुस्लिम मर्द-औरत पर फर्ज है जो स्वस्थ हो। हज इस्लामी कैलेंडर के अंतिम महीने जिल हिज्जा की 8वीं से 12वीं तारीख तक ईदुल अजहा के मौके पर अदा किया जाता है। मुसलमान मानते हैं कि मक्का की तीर्थयात्रा की यह रस्म हजारों सालों पैगंबर हज़रत इब्राहीम के समय से चली आ रही है।

मजदूरी करने गई महिला के साथ खेत मालिक ने की छेड़छाड़

◆ पीड़िता की शिकायत पर प्रकरण दर्ज

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव में छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। दलित समाज की महिला के साथ गांव के एक व्यक्ति ने बुरी नियत से छेड़छाड़ कर दी। पीड़िता ने घटना की सूचना पति सहित परिजनों को दी। पीड़ित की रिपोर्ट पर आरोपी के खिलाफ धारा 354 व एससीएसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। थाना प्रभारी नीरज लोधी ने बताया है कि दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक गांव की 28 वर्षीय पीड़ित महिला 10 अगस्त की सुबह 9 बजे गांव की एक महिला के साथ एक खेत पर मजदूरी करने के लिए गई थी। जहां पर करीब 10: 30 बजे खेत मालिक बालाराम कुशवाहा आया और दूसरी महिला से पानी लाने को कहा। महिला पानी लेने के लिए घर चली गई तो आरोपी ने पीड़िता के साथ बुरी नियत से जबरन छेड़छाड़ कर दी। पीड़िता जब चिल्लाई तो उसका पति मौके पर आ गया और पीड़िता को अपने घर ले गया। पीड़िता ने पूरी घटना पति सहित अपने परिजनों को बताई। पति व परिजन पीड़िता को पुलिस थाना लेकर आए और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपी बालाराम कुशवाहा के खिलाफ बुरी नियत से छेड़छाड़ करने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

नगर के मुख्य मार्गों से निकली हर घर तिरंगा रैली

टीकमगढ़, देशबन्धु। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा मध्य प्रदेश के समस्त जिलों में हर घर तिरंगा अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य देशवासियों को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज लगाने के लिए प्रेरित करना, जनसामान्य में देश भक्ति की भावना जागृत करना तथा राष्ट्रीय ध्वज के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना है।

इसी तारतम्य में शुक्रवार दिनांक 11/08/23 को पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ रोहित काशवानी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सासत्या के नेतृत्व में पुलिस लाइन से नगर के मुख्य मार्गों से होकर हर घर तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। उक्त रैली में जिला वैज्ञानिक अधिकारी श्रप्रदीप यादव, रक्षित निरीक्षक विशाल मालवीय, निरीक्षक कोतवाली मनीष कुमार, देहात थाना प्रभारी प्रीति भार्गव सहित पुलिस अधिकारी, कर्मचारी एवं खेल विभाग के प्रशिक्षक सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक आयोजित

टीकमगढ़, देशबन्धु। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 9 सितम्बर 2023 को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सफल क्रियान्वयन हेतु प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण टीकमगढ़ श्री हितेन्द्र सिंह सिसौदिया की अध्यक्षता में उनके विश्राम कक्ष में सदस्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बीमा कंपनी एवं आवेदकगण के अधिवक्तागणों के साथ बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधान जिला न्यायाधीश द्वारा सदस्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बीमा कंपनी एवं आवेदकगण के अधिवक्तागण को नेशनल लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण के अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण हेतु आवश्यक चर्चा के दौरान कहा कि न्यायालयों में एम.ए.सी.टी. के लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों का भी अधिक से अधिक निराकरण किया जावे एवं लोक अदालत हेतु लंबित एवं रैफर्ड प्रकरणों की जानकारी भी ली गई। बैठक में सदस्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण मनोज कुमार, प्रणयदीप ठाकुर, अनिल करौरिया, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विनोद कुमार पाटीदार, जिला विधिक सहायता अधिकारी बृजेन्द्र सिंह भदौरिया, बीमा कंपनी एवं आवेदकगण के अधिवक्ता एल.एन. नायक, हरीशचन्द्र जैन, सरमन पुरोहित, श्रवण खरे, रमेश मिश्रा, ओ.पी. रैकवार, प्रत्यूष पाठक, राम प्रकाश मिश्रा श्री एस. के. द्विवेदी, श्री दानवेन्द्र सिंह, श्री राजेश मिश्रा उपस्थित रहे। साथ ही आज ही ए.डी.आर. भवन टीकमगढ़ में बैंक प्रबंधक, नगर पालिका अधिकारी, की बैठक आयोजित की गई, जिसमें अधिक से अधिक बैंक, जलकर, बी.एस.एन.एल. आदि के अधिक से अधिक प्रीलिटिगेशन प्रकरण के निराकरण के संबंध में चर्चा की गई एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों की जानकारी भी ली गई।

हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत निकाली कलश तथा तिरंगा यात्रा

टीकमगढ़, देशबन्धु। नगर परिषद जतारा द्वारा नगर में मेरी माटी मेरा देश अंतर्गत कलश यात्रा एवं हर-घर तिरंगा की रैली निकली गई। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष अनुराग सुनील रामजी नायक, उपाध्यक्ष फिरोज खान, एसडीएम जतारा लोकेन्द्र सिंह सरल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी रामस्वरूप पटेरिया, समस्त पार्षदगण, राजस्व निरीक्षक, तहसील सदर पटवारी, प्राचार्य एवं समस्त नगर परिषद के कर्मचारियों के द्वारा स्कूली बच्चों की सहभागिता रही। नगर परिषद जतारा द्वारा मेरी माटी मेरा देश के अंतर्गत नगर में कलश यात्रा एवं हर-घर तिरंगा की रैली निकालकर सभी से 13 से 15 अगस्त तक अपने शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों, संस्थानों, प्रतिष्ठानों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, डाकघरों तथा हर घर में तिरंगा फहराने की अपील की गई। साथ ही मेरी माटी मेरा देश अंतर्गत 75 पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं अमर शहीदों का नाम लेखन कराकर शिलाफलक तैयार की गई, जिन्हें अमृत सरोवरों, अमृत वाटिकाओं, पार्कों सहित विभिन्न स्थानों पर स्थापित किया जायेगा।

भौतिकी विभाग में प्रवीण कुमार को मिली डॉक्टरेट की डिग्री

टीकमगढ़, देशबन्धु। डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा भौतिकी विभाग के सीनियर रिसर्च फेलो प्रवीण कुमार लिटोरिया निवासी दिगौड़ा को डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान की गई। शोध छात्र प्रवीण कुमार लिटोरिया ने भौतिक शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आशीष वर्मा के निर्देशन में अपना शोध कार्य किया है। प्रवीण ने डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर मप्र) से भौतिकी में स्नातक और स्नातकोत्तर की शिक्षा प्राप्त की। उन्होंने सम्पूर्ण भारत में 111 वीं रैंक के साथ सीएसआईआर नेट जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण की है।

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा

टीकमगढ़, देशबन्धु। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय टीकमगढ़ में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों द्वारा महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम किया गया। कार्यक्रम में गाजर का उन्मूलन एवं प्लास्टिक एकत्र किया गया। स्वच्छता के बाद आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी -मेरा देश कार्यक्रम में महाविद्यालय परिसर में भारतीय स्टेट बैंक शाखा टीकमगढ़ के शाखा प्रबंधक श्री धीरेंद्र चौरसिया जी द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम किया गया, जिसमें 20 कदम के पेड़ महाविद्यालय परिसर में रोपित किए गए एवं उनके सुरक्षा की पूर्ण व्यवस्था की भी जिम्मेदारी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ इंद्रजीत जैन एवं शाखा प्रबंधक द्वारा लिया गया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ बीके नायक, डॉ विजय शाक्य, डॉ अखिलेश अहिरवार, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ मुकेश अहिरवार, श्री अभिमन्यु प्रसाद, श्री संदीप चौरसिया, डॉ जितेंद्र कुमार पांडे डॉक्टर जितेंद्र सिंह के अतिरिक्त राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक प्रभु दयाल कुशवाहा, आदर्श जैन, अंतरिक्ष जैन, शिवेंद्र अहिरवार, योगेश रैकवार, प्रशांत निराला, ध्रुव लक्षकार, आदर्श रिछारिया, अनिकेत सोनी आदि छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

25 अगस्त से अनशन करने की मांगी अनुमति, अनुविभागीय अधिकारी को लिखा पत्र

गौवंश की दुर्दशा से व्यथित डॉ. स्वामी देवस्वरुपानंद छोड़ देंगे अन्न आहार

टीकमगढ़, देशबन्धु। गौ-वंश के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु निरंतर प्रयासरत उज्जवल भारत अभियान के संस्थापक डॉ. स्वामी देवस्वरुपानंद ने एक बार फिर प्रशासन से दो-दो हाथ करने की ठान ली है। स्वामी देवस्वरुपानंद ने जिले में गौ-वंश के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर बरती जा रही लापरवाही को लेकर आगामी 25 अगस्त से अन्न आहार छोड़ कर मातृ शक्तियों व जन समुदाय के साथ अनिश्चितकालीन हड़ताल धरना प्रदर्शन करने की अनुमति अनुविभागीय अधिकारी से देने का आग्रह किया है। अनुविभागीय अधिकारी को लिखे पत्र मे स्वामी देवस्वरुपानंद ने कहा है कि उज्जवल भारत अभियान के माध्यम से वह मध्य प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में सामाजिक विषयों सहित विशेष रुप से गौ-वंश हितार्थ बौद्धिक, रचनात्मक, आंदोलनात्मक रुप से प्रयासरत हैं। जिला भृमण के दौरान उन्होने गौ-वंश को बहुत ही बुरी हालत में देखा है। आए दिन सड़कों पर बैठे गौ-वंश के कारण दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं जिससे गौ-वंश एवं जनहानि होना आम बात हो गई है।

इन दुर्घटनाओ के कारण किसान भी परेशान है। जिले में गौ-वंश के संरक्षण और संवर्धन को लेकर स्वामी देवस्वरुपानंद विगत 9 मार्च से 28 मार्च 2023 तक कलेक्ट्रेट के सामने शांति पूर्ण तरीके से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर चुके हैं, उक्त धरना प्रदर्शन को सैकड़ों लोगों ने अपना समर्थन दिया था। स्वामी जी ने उल्लेख किया है कि तत्समय तत्कालीन एसडीएम सीपी पटेल ने ज्ञापन लेकर आश्वासन दिया था कि समस्याओं का समाधान जल्द कराया जाएगा। इसी आश्वासन पर धरना समाप्त किया गया था।

इसके बाद भी 3 जुलाई 2023 को पीजी कॉलेज के सामने तालाब बाईपास पर अज्ञात ट्रक चालक द्वारा तीन-चार गौवंश को बेरहमी से कुचल दिया गया था। घटना की जानकारी मिलने पर स्वामी जी ने गौ-भक्तों के साथ धरना दिया गया था। धरना स्थल पर पहुंचे एसडीएम सीपी पटेल ने उसी समय एक आदेश जारी करके सड़कों पर घूम रहे गौवंश की सुरक्षा हेतु न्यायालय के पीछे 20 एकड़ जमीन पर गौवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के निर्देश नगर पालिका सीएमओ को दिए थे। इस आदेश का भी कोई असर प्रशासन पर नहीं पड़ा।

इसके बाद 5 जुलाई 2023 को कलेक्टर के साथ एक बैठक करके कुछ नियम पास किए गए लेकिन उस पर कोई विशेष कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई। स्वामी जी का कहना है कि गौवंश की हालत बिगड़ती जा रही है। आए दिन जगह-जगह दुर्घटनाएं घटित हो रही हैं, जिससे संत समाज व क्षेत्रीय जन समुदाय में बहुत रोष व्याप्त हो रहा है। स्वामी जी ने व्यथित होकर एक बार फिर आंदोलन की राह पकड़ने का शंखनाद करते हुए अनुविभागीय अधिकारी से अनुमति देने का आग्रह किया है।

सार समाचार

गंगा जमना स्कूल के प्रकरण में फरार आरोपियों के सभी बैंक खातों पर रोक

दमोह देशबन्धु। पुलिस अधीक्षक दमोह सुनील तिवारी के द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह संदीप मिश्रा को गंगा जमना स्कूल दमोह के प्रकरण में फरार आरोपियों के सभी बैंक खातों पर रोक लगाने हेतु निर्देश जारी किये गये है। इस हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दमोह संदीप मिश्रा के द्वारा थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक विजय राजपूत को आदेश किया गया कि गंगा जमना स्कूल दमोह के प्रकरण में सभी फरार आरोपियों के सभी बैंक खातों पर रोक लगाने की तत्काल कार्यवाही की जावें ।

पाली में डायरिया का आतंक, एसडीएम सहित स्वस्थ कर्मी पहुंचे

दमोह/हटा देशबन्धु। मड़ियादो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पाली गांव में डायरिया के प्रकोप के बाद लगातार स्थानीय स्वास्थ्य अमला मुस्तेद है , बता दें कि विगत दिनों एक मासूम की मौत एवं 4 दर्जन से अधिक गांव के लोग इस बीमारी की चपेट में आ गए। जिसके बाद हटा एस डी एम रीता डहेरिया, सी ई ओ पूनम दुबे, नायब तहसील मड़ियादो मंडल शिवराम चढार, पटवारी महेंद्र पटेल सहित कर्मचारी और जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि अभिषेक जैन पाली गांव में स्वस्थ्य अमले के साथ जायजा लेने पहुंचे। पाली में डायरिया फैलने से बचाव हेतु स्वास्थ्य विभाग, पीएचई एवं पुलिस विभाग की द्वारा लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही है स्थिति नियंत्रण में है।

समरसता यात्रा पहुंची दमोह, हुआ भव्य स्वागत

संत रविदास ने कहा था जिन लोगों ने सब कुछ त्याग भगवान की शरण ली उनका भला ही हुआ: कुसमरिया

दमोह देशबन्धु। समरसता यात्रा का पटेरा से दमोह जिले के बड़ापुरा पहुँचने पर भव्य स्वागत किया गया। यात्रा में शामिल होकर स्थानीय निवासी गारिमामय रूप से मुख्य कार्यक्रम स्थल तक रैली के रूप में भजन कीर्तन करते हुए पहुँचे। यात्रा में स्वामी छिपेश्वर महराज, समरसता यात्रा प्रभारी प्रवीण मेश्राम, सह यात्रा प्रभारी अजय मेश्राम, बसंत कुभरेथी, शारदा प्रसाद शिव सहित सभी अतिथियों का पुष्प मालाओ और गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया। दमोह में जनप्रतिनिधियों द्वारा चरण पादुकाओ तथा कलश का पूजन किया गया। साथ ही ध्वज पूजन भी किया गया। पूर्व मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया ने कहा मीराबाई जो राजमहल में रहने वाली रानी थी, उन्होंने संत शिरोमणि श्री रविदास जी से दीक्षा ली थी, जब मीरा बाई ने व्याख्यान किया कि मेरे तो गिरधर गोपाल, दूसरा नहीं कोई रे, संतो संग बैठ-बैठ लोग लाज खोई रे। मीराबाई को घर परिवार समाज ने जब बहिष्कृत कर दिया था, तब संत रविदास जी ने कहा था जिन-जिन लोगों ने सब कुछ त्याग कर भगवान की शरण ली हैं, उनका भला ही हुआ है। इस अवसर पर प्रीतम सिंह लोधी ने कहा संत शिरोमणि श्री रविदास जी के मंदिर में संत रविदास जी की क्या भूमिका रही, उन्होंने समाज के लिये क्या-क्या किया उसका सारा चरित्र-चित्रार्थ मंदिर में दर्शाया जायेगा। यह हम सभी का सौभाग्य है कि हमें ऐसे महान संत के जीवन को जानने का अवसर प्राप्त होगा। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की पिछड़ीजातियों के लोगों को आगे लाने के अनेक प्रयास किए हैं, ऐसे जितने भी संत, महात्मा और शहीद हैं, उन सभी को कहीं न कहीं पृष्ठभूमि में लाने का काम किया है और उनके चरित्र को हम सभी के बीच में लाने का काम किया जा रहा है। हम भारतीय संस्कृति को सीखने का काम करेंगे और ऐसे संतो के विचारों का अनुसरण करेंगे यह संदेश समरसता यात्रा हम सभी के बीच में लेकर आई है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री डॉ. रामकृष्ण कुसमरिया, सांसद प्रतिनिधि नरेंद्र बजाज, जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी, बिहारी लाल गौतम, पूर्व विधायक सोनाबाई, सिद्धार्थ मलैया, गोपाल पटैल, राजू कमल ठाकुर, आलोक गोस्वामी, पवन तिवारी, भरत यादव, श्याम शिवहरे, शिखा जैन, यशपाल सिंह, अमित बजाज, डॉ. आलोक अहिरवार, रामेश्वर चौधरी, कृष्णा राज, गणेश जाटव, रामकुमार अहिरवार, सुनेना घारु, रघू श्रीवास्तव, ब्रजेश सिंह, संतोष रोहितास, पवन तिवारी, चटन पटैल, निखिल ठाकुर, अमर सिंह, एसडीएम दमोह आर.एल. बागरी, सीएमओ भैयालाल सिंह, पुलिस अधिकारी सहित क्षेत्रीय नागरिक और सम्मानीय मीडियाजन मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा पटेल और आभार प्रदर्शन गणेश जाटव द्वारा किया गया।

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में स्वाधीनता दौड़ 14 को

दमोह देशबन्धु। कलेक्टर मयंक अग्रवाल ने बताया आगामी 14 अगस्त 2023 को प्रात: 7.30 बजे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय दमोह ग्राउंड से शासकीय महारानी लक्ष्मी बाई कन्या उ.मा. विद्यालय घंटाटर दमोह तक स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम अंतर्गत स्वाधीनता दौड़ (रन फॉर यूनिटी -रन फॉर वोट) का विशाल का आयोजन किया जायेगा। दौड़ रूट प्रात: 7.30 बजे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय दमोह (खेल ग्राउंड) से, नेहरू पार्क कोआपरेटिव बैंक चौराहा, अम्बेडकर चौक, आजाद मार्केट, घंटाघर दमोह, एवरेस्ट लॉज, महारानी लक्ष्मी बाई कन्या शाला दमोह तक रहेगा। साथ ही समापन प्रात: 08.30 बजे महारानी लक्ष्मी बाई कन्या शाला दमोह मे किया जायेगा। उन्होंने कहा उपरोक्त कार्यक्रम में स्वीप प्लान के अंतर्गत मतदाता जागरूकता अभियान एवं आयोजित सामूहिक गतिविधि में निर्धारित लक्ष्य और प्रोटोकाल के अनुसार सहभागिता सुनिश्चित करेंगे।

किसानों ने दिया तहसीलदार को ज्ञापन

दमोह/नोहटा देशबन्धु। जबेरा तहसील पहुंचकर तहसीलदार को ज्ञापन देने ग्राम हिनौती खेत सिंह बंशीपुर विजय सागर भाट खमरिया तांगरी के किसानों ने बाढ़ में हुई फसल नष्ट एवं मकान धराशाई होने पर अपनी समस्या सुनाई। किसानों ने कहा बाढ़ के कारण उड़द, मक्का, मूंग की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई उनका अभी तक सर्वे नहीं हुआ। तहसीलदार से निवेदन किया कि शीघ्र सर्वे कराकर मुआवजा दिलाने का कष्ट करें।

बारिश में भी सुचारू नहीं चल पा रही शहरी पेयजल योजना

दमोह/पथरिया देशबन्धु। नगर में कहने के लिए तो करीब 23 करोड़ रुपए की मुख्यमंत्री शहरी पेयजल आपूर्ति योजना चालू है लेकिन जबसे इसका संचालन शुरू हुआ तभी से पहले घरों में हर तीसरे दिन पानी पहुंच पा रहा था लेकिन विगत महीनों से जबसे सतौआ डेम छति ग्रस्त हो गया।

टेंडर प्रक्रिया जारी हो गई पर महीनों बीतने के बाद भी कार्य शुरू नही हो सका फिर भी हर 4 दिन पहुंचता रहा पर अभी बारिश का मौसम चल रहा उसके बाद भी हर 5-6 दिन बाद घरों में पानी पहुंच रहा है ऐसे में सोचने वाली बात है कि मुख्यमंत्री शहरी पेयजल आपूर्ति योजना का किस तरह से चल रही है जबकि इससे अच्छी व्यवस्था तो ग्रामीण क्षेत्र में है जहां प्रतिदिन पानी घरों में पहुंचता है पर शहरी क्षेत्र में शुरुवात से ही 3 दिनों में पानी पहुंचाया गया मतलब शहरी से अच्छी व्यवस्था ग्रामीण क्षेत्र में है जहां प्रतिदिन पानी घरों को मिल रहा लेकिन शहरी क्षेत्र में नही। जिला कलेक्टर से मांग है कि नगर की मुख्यमंत्री शहरी पेयजल आपूर्ति योजना का सुचारू रूप से संचालित हो ताकि प्रतिदिन घरों में पानी पहुंच सकें।

इनका कहना है

हड़ताल के कारण व्यवधान पैदा हुआ अब खत्म हो गई है अब हर 3 दिन में पानी पहुंचेगा।

ज्योति सुनेरे सीएमओ

जैन मिलन वरिष्ठ शाखा की मासिक बैठक आयोजित

दमोह देशबन्धु। शाखा की मासिक बैठक शाखा के कोषाध्यक्ष वीर दीपक बामोरिया के निवास वर्धमान ज्वेलर्स दमोह पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अतिवीर वीर इंजी. आरके जैन ,पर्यावरण प्रभारी वीर यू सी जैन क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष वीर ललित सराफ जी एवं वीर डॉ एल सी जैन,शाखा वरिष्ठ पदम चंद जुझार एवं शाखा अध्यक्ष अतिवीर ऋषभ जैन (स्टेशन मास्टर) की अध्यक्षता,मे शाखा के सभी वरिष्ठ सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर ,महावीर प्रार्थना के सामूहिक गायन के साथ आयोजन किया गया। सर्व प्रथम शाखा मंत्री वीर ऋषभ जैन खडेरी द्वारा पूर्व बैठक का वाचन किये गए एवं नई बैठक संबंधी बिंदुओं से अवगत कराया। सर्व प्रथम चल रहे विश्व पर्यावरण संरक्षण पर त्रि-मासिक कार्यक्रम पर जो कि 05/08 को नोहटा आदिशवर गिरी पर होना था, अति बारिश के कारण स्थगित किया गया था, उस पर पुनः सहमति बनी एवं 12/08/2023 दिन शनिवार को पूरे उत्साह के साथ किया जाना सुनिश्चित हुआ। प्राथमिक शाला के बच्चो को वस्त्र वितरण पर वरिष्ठ सदस्य मोतीलाल गोयल जी, वीर के सी जैन, पारस जैन एवं वीर राजीव जैन आदि सदस्यों ने अपने विचार रखे। द्वितीय विंदु शाखा की ड्रेस हेतु, संदीप सराफ से चर्चा उपरांत अच्छी सफेद ड्रेस मय शाखा के बेच सहित सुनिश्चित किया। 15 अगस्त पर जैन पुत्री शाला मे ध्वाजा रोहण् एवं बच्चो के वस्त्र वितरण किया जाना एवं जीव दया के कार्य क्रम हेतु डॉ जे के जैन, (सेवा निर्व्रत पशु चिकित्सक) ने अस्वस्थ एवं दुर्घटना ग्रस्त पशु पक्षिओ के उपचार करने हेतु शाखा के सहयोग से निः शुल्क सेवा करने की सहमति दी। अंत में शाखा प्रचार मंत्री वीर संतोष जैन द्वारा बैठक आयोजन हेतु सभी सदस्यों एवं आयोजन कर्ता का उत्तम व्यवस्था के लिए आभार प्रकट कर अरिहंत वंदना के साथ बैठक का समापन किया गया।

तेन्दुखेड़ा में स्थाई कर्मी सुरक्षा श्रमिक की हुई बैठक

दमोह देशबन्धु। स्थाई कर्मी सुरक्षा श्रमिक की जिलाध्यक्ष बब्लू ठाकुर द्वारा एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विषयों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई एवं निर्णय लिया गया है कि 22 अगस्त को स्थाई कर्मी, सुरक्षाश्रमिक, कम्प्यूटर आपरेटरो, वाहन चालको एवं समस्त शासकीय विभागों में कार्यरत स्थायी कर्मचारियों के सातंवा वेतनमान एवं अनुकम्पा नियुक्ति तथा शासकीय कर्मचारियों के समान मूल भूल सुविधायें प्रदान की जाये एवं वन विभाग मे सुरक्षा श्रमिक जिनका भुगतान समितियों के माध्यम से किया जाता है उनकी स्थाई कर्मी बनाया जायें एवं समस्त कर्मचारियों को पेंशन का लाभ दिया जायें। जिसके उपरांत नियुक्ति पत्र दिये गये। सुरक्षा श्रमिक झलौन से जलील खान का अध्यक्ष बनाया गया। सुरक्षा श्रमिक तेजगढ़ से कमलेश सिंह को अध्यक्ष बनाया गया। तेन्दूखेड़ा स्थाई कर्मी कनई यादव को मीडिया प्रभारी बनाया। तेन्दूखेड़ा से सुरेन्द्र यादव को अध्यक्ष बनाया एवं मुन्ना सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया। बैठक में मुख्य रूप से अध्यक्ष बब्लू ठाकुर, राजा यादव, जवाहर रैकवार, हीरालाल यादव, परम रैकवार, राम प्रकाश आदिवासी, विजय रैकवार, संदीप मिश्रा, दौलत रैकवार, नजीम वेग, सुनील तिवारी, अर्जुन सीग ठाकुर आदि की उपस्थिति रहीं।

स्कूल एवं नगर में लग रहे कोचिंग में जाकर अखंड भारत दिवस मनाया

दमोह देशबन्धु। विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल द्वारा हिंडोरिया नगर के सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल एवं नगर में लग रहे कोचिंग में जाकर अखंड भारत दिवस मनाया। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिला से श्री राम पटेल, सामाजिक समरसता प्रमुख एवं सह नगर कार्यवाहक योगेश चौरसिया, प्रमुख रूप से उपस्थित रहे और श्री राम पटेल ने विद्यार्थियों के बीच में अखंड भारत दिवस का विषय रखा और भारत कब-कब खंडवा किस कारणों से खंड हुआ और विद्यार्थियों से संवाद भी किया इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के प्रखंड अध्यक्ष जगदीश सिंह ठाकुर, प्रखंड मंत्री प्रकाश चौरसिया, प्रखंड संयोजक लखन सिंह ठाकुर ,नगर संयोजक मौसम ठाकुर, कपिल चक्रवर्ती ,हरगोविंद पटेल, अजय ठाकुर की उपस्थिति रही।

बड़ों का मजाक उड़ाने के दुष्परिणाम जरूर मिलते हैं: पं. शास्त्री

दमोह देशबन्धु। स्थानीय जबलपुर नाका आमचौपरा अथाई रोड स्थित रासबिहारी राधाकृष्ण मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस में कथा वाचक आचार्य पंडित रवि शास्त्री महाराज ने कहा कि अपने से बड़ो से मजाक करने के दुष्परिणाम हमे जरूर भोगने पड़ते हैं एक बार की बात है कैलास के शिव-सदन में ब्रह्माजी शिवजी के पास बैठे थे उसी समय वहाँ देवर्षि नारद पहुँचे उनके पास एक अतिशय सुन्दर फल था। जो देवर्षि ने उमानाथ के कर कमलों में अर्पित कर दिया। फल को पिता के हाथ में देखकर गणेश और कुमार दोनों बालक उसे आग्रह पूर्वक माँगने लगे तब शिव ने ब्रह्माजी से पूछा ब्रह्मन् फल एक ही है और इसे गणेश एवं कुमार दोनों चाहते हैं आप बतायें, इसे किसे दूँ चतुर्मुख ने उत्तर दिया प्रभो छोटे होने के कारण इस एकमात्र फल के अधिकारी तो षडानन ही हैं। गंगाधर ने फल कुमार को दे दिया। किन्तु पार्वती नन्दन गणेश सृष्टिकर्ता ब्रह्मा पर कुपित हो गये। लोकपितामह ने अपने भवन पहुँचकर सृष्टि रचना का प्रयत्न किया तो गजवक्त्र ने अद्भुत विघ्न उत्पन्न कर दिया वे अत्यन्त उग्ररूप में विधाता के सम्मुख प्रकट हुए विघ्नेश्वर के भयानकतम स्वरूप को देखकर विधाता भयभीत होकर काँपने लगे। गजानन की विकट मूर्ति एवं ब्रह्मा का भय और कम्प देखकर चन्द्रदेव अपने गणों के साथ हँस पड़े। चन्द्रमा को हँसते देख गजमुख को बड़ा क्रोध आया उन्होंने चन्द्रदेव को तुरन्त शाप दे दिया चन्द्र अब तुम किसी के देखने योग्य नहीं रह जाओगे और यदि किसी ने तुम्हें देख लिया तो वह पाप का भागी होगा। अब तो चन्द्रमा श्रीहत मलिन एवं दीन होकर अत्यन्त दुःखित हो गये। सुधाकर के अदर्शन से देवगण भी दुःखित हुए अग्नि और इन्द्र आदि देवगण देवदेव गजानन के समीप पहुँचकर उनकी भक्ति पूर्वक स्तुति करने लगे देवताओं के स्तवन से प्रसन्न होकर गजमुख ने कहा देवताओ मैं तुम्हारी स्तुति से सन्तुष्ट हूँ। वर माँगो मैं उसे अवश्य पूर्ण करूँगा। देवता बोले प्रभो आप चन्द्रमा पर अनुग्रह करें, हमारी यही कामना है। गणेशजी ने कहा देवताओ मैं अपना वचन मिथ्या कैसे कर दूँ पर शरणागत का त्याग भी सम्भव नहीं अतः तुम लोग मेरी बात सुनो जो जान कर या अनजान में ही भाद्र-शुक्ल चतुर्थी को चन्द्र का दर्शन करेगा वह अभिशप्त होगा उसे अधिक दुःख उठाना पड़ेगा परमप्रभु द्विरदानन के वचन सुन देवगण अत्यन्त मुदित हुए उन्होंने पुनः प्रभु चरणों में प्रणाम किया तदनन्तर वे चन्द्रमा के पास पहुँचे और उनसे कहा चन्द्र गजमुख पर हँसकर तुमने अपनी मूढ़ता का ही परिचय दिया है तुमने परम प्रभु का अपराध किया और त्रैलोक्य संकट ग्रस्त हो गया हम लोगों ने त्रैलोक्य नायक परब्रह्मस्वरूप सर्वगुरु गजानन प्रभु को बड़े यत्न से सन्तुष्ट किया इस कारण उन दयामय ने तुम्हें वर्ष में केवल एक दिन भाद्र-शुक्ल चतुर्थी को अदर्शनीय रहने का वचन देकर अपना शाप अत्यन्त सीमित कर दिया तुम भी उन करुणामय की शरण लो और उनकी कृपा से शुद्ध होकर यश प्राप्त करो। देवेन्द्र ने सुधांशु को गजानन के एकाक्षरी मन्त्र का उपदेश किया और फिर देवगण वहाँ से चले गये सुधाकर शुद्ध हृदय से परम प्रभु गजमुख की शरण हुए वे पुण्यतोया जाह्नवी के दक्षिण तट पर गजानन का ध्यान करते हुए उनके एकाक्षरी मन्त्र का जप करने लगे चन्द्रदेव ने गणेश को सन्तुष्ट करने के लिये बारह वर्ष तक कठोर तप किया। इससे आदिदेव गजानन प्रसन्न हुए और उन परम प्रभु गजानन के वर-प्रभाव से सुधांशु पूर्ववत् तेजस्वी सुन्दर एवं वन्द्य हो गये।

संत रविदास के विचार दुनिया को दे रहे हैं दिशा

समरसता यात्रा रायसेन के लिए हुई रवाना

भोपाल, देशबन्धु। संत रविदास ऐसी महान विभूति हैं, जो विगत 600 वर्षों से दुनिया को प्रेरणा, विचार, आदर्श और मार्गदर्शन देकर समरस बना रहे हैं। यह विचार गुरूवार को संत रविदास सेवा संस्था, मंदिर बरखेड़ा भेल में संत रविदास समरसता यात्रा के जन संवाद कार्यक्रम में वक्ताओं ने व्यक्त किए। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्रीमती कृष्णा गौर, नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी सहित अनेक निर्वाचित पार्षद और जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

जन संवाद में क्षेत्रीय विधायक श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि संत रविदास के विचार, शिक्षाएं और प्रेरणा सदियों तथा दशकों से मानवता का मार्गदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि संत रविदास की भक्ति का परिणाम ही था कि गंगा भी उनकी कठौती में आ जाती थी। उन्होंने कहा कि मन की शुद्धता के लिए संत श्री के विचार आज भी सामयिक हैं और हमेशा रहेंगे। उन्होंने नागरिकों से आव्हान किया कि वे 12 अगस्त को सागर में 100 करोड़ से बनने वाले संत रविदास मंदिर के शिलान्यास कार्यक्रम में पहुँचे। नगर निगम के अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने समाज की एकता पर बल देते हुए कहा कि संत रविदास के 100 करोड़ से सागर में बनने वाले मंदिर से आने वाली पीढ़ियां शिक्षा लेकर समाज निर्माण में लगेगी। जन संवाद को उत्तर प्रदेश से आए अनिल सूद और संत रविदास मंदिर के बारेलाल अहिरवार ने भी संबोधित किया।

इसके पूर्व समरसता यात्रा के गोविन्दपुरा क्षेत्र में पहुँचने पर नागरिकों ने संत रविदास के भजनों के गायन और पुष्प वर्षाकर स्वागत किया। विधायक श्रीमती गौर और नगर निगम अध्यक्ष श्री सूर्यवंशी ने संत रविदास की चरण पादुका सिर पर रखकर मंदिर तक पहुँचाई और पूजा पाठ कर यात्रा का स्वागत किया। जन संवाद के बाद में समरसता यात्रा भोपाल से रायसेन के लिए रवाना हुई।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ाने के लिए गैस पीड़ितों ने दिया धरना

भोपाल, देशबन्धु। भोपाल गैस पीड़ितों ने गुरुवार को नीलम पार्क में धरना दिया। गैस पीड़ित व निराश्रित पेंशन भोगी महिलाओं ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन 6 सौ रुपए से बढ़ाकर एक हजार रुपए करने की मांग की। वहीं, दिव्यांगों को भी राहत देने का मुद्दा उठाया।

गैस पीड़ित निराश्रित पेंशन भोगी संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर यह धरना प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत 23 से 60 वर्ष की महिलाओं को प्रतिमाएं एक हजार रुपए देने की घोषणा मुख्यमंत्री ने जून में की थी। इसे 3 महीने बीतने को आ रहे हैं किंतु अधिकांश महिलाओं को अभी तक एक हजार रुपए महीना नहीं मिला है। निराश्रित पेंशन भोगी वृद्ध महिलाओं को पेंशन 600 रुपए महीना अभी भी मिल रही है, जबकि नियम अनुसार 23 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं को एक हजार रुपए महीना पेंशन मिलना चाहिए।

श्री नामदेव ने कहा कि गैस पीड़ित विधवा महिलाओं की पेंशन राशि में पिछले 13 साल से कोई वृद्धि नहीं की गई, जबकि महंगाई आसमान छू रही है। पेंशन राशि आज भी एक हजार रुपए महीना दी जा रही है। यह वर्ष 2010 में शुरू की गई थी। संगठन की मांग है कि महंगाई के अनुपात में गैस पीड़ित विधवा महिलाओं को व गैस कांड में स्थाई तौर पर दिव्यांग हुए लोगों को कम से कम 3 हजार रुपए महीना पेंशन सरकार दें। इसी प्रकार सभी निराश्रित पेंशन भोगियों की पेंशन समान दर से अति शीघ्र एक हजार रुपए प्रतिमाह करना चाहिए।

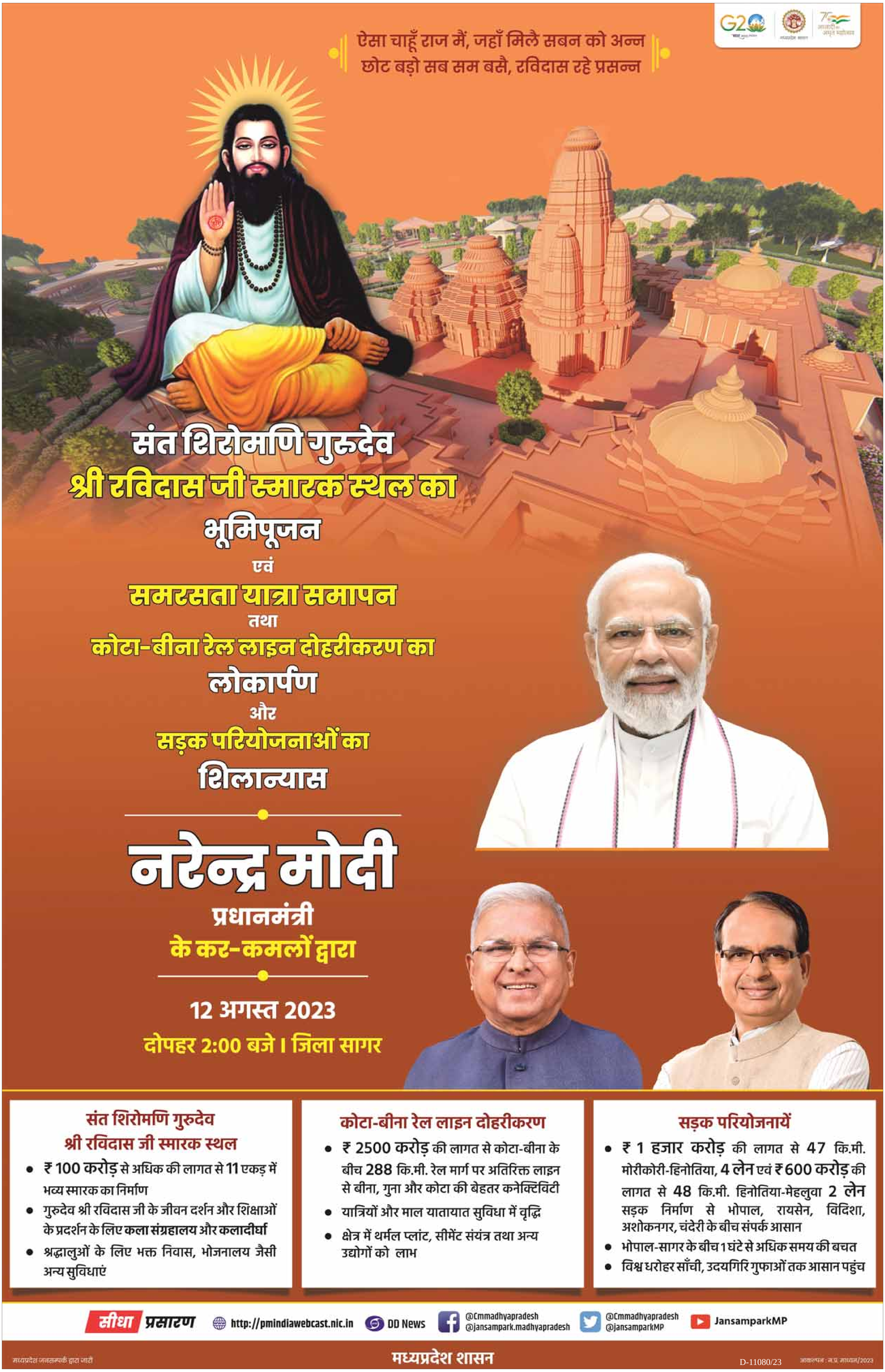

स्वामी पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि.के लिए प्रकाशक गिरिराज चाचा मुद्रक गिरिराज चाचा द्वारा दैनिक भास्कर प्रेस (डी बी कार्प लि.) प्लाट नं. 36 इंडस्ट्रीयल एरिया सागर म.प्र. सागर से मुद्रित एवं 56 अग्रवाल बिल्डिंग एक्सिस बैंक के पीछे 10 सिविल लाईन्स, सागर मप्र से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली** *
प्रबंध संपादक **डॉ. योगेश दत्त तिवारी** फोन 07582-228742 ई-मेल. deshbandhusgr@yahoo.in **प्रेस पंजीयन**- MPHIN/2016/69061 समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।